पटना ●मंगलवार, 23 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:192 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाकर... 3 www. bordernewsmirror.com निकिता दत्ता ने लेटेस्ट... 8

# दलों की लड़ाई खत्म, 5 साल देश के लिए करें काम

**● बजट सत्र से पहले पीएम नरेंद्र मोदी की विपक्ष को नसीहत ● पीएम ने कहा-अब जनवरी 2029 के बाद राजनीति करना**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यह सत्र देशवासियों के सपनों की नींव रखने वाला है। देश बहुत बारीकी से हम सभी के काम को देख रहा है। यह गर्व का विषय है कि करीब 60 साल के बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई। तीसरी पारी का पहला बजट रखने का सौभाग्य प्राप्त हो, यह गर्व का विषय है। देशवासी इसे गरिमा के तौर पर देख रहे हैं। मैं देशवासियों को जो गारंटी दे रहा हूं, उनको जमीन पर उतारने वाला यह बजट होगा। यह अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है। हमें 5 साल का जो अवसर मिला है, उसकी दिशा यह बजट तय करेगा। यह बजट 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की मजबूत नींव रखेगा। हर देशवासी के लिए गर्व की बात है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेजी से बढ़ रहा है। 8 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। भारत में पॉजिटिव आउटलुक, इन्वेस्टमेंट और परफॉर्मेंस का माहौल है। हम बीते तीन सालों से लगातार 8 फीसदी की ग्रोथ कर रहे हैं। देशवासियों ने अपना फैसला ले लिया है। अब सभी चुने हुए सांसदों की जिम्मेदारी है कि अब दल के लिए नहीं बल्कि अगले 5

सालों में देश के लिए लड़ना है। मैं सभी राजनीतिक दलो से भी कहूंगा कि हम आने वाले साढ़े 4 साल के लिए देश को समर्पित हो जाएं। आप जनवरी 2029 में मैदान में जाएं। आपको 6 महीने जो भी खेल खेलने हैं, खेल लीजिए। लेकिन तब तक सिर्फ देश के गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सामर्थ्य के लिए जुट जाएं। 2047 के सपनों को पूरा करने के लिए हम ताकत लगा रहे हैं। मुझे आज बड़े दुख के साथ कहना है कि 2014 में कुछ सांसद 5 साल के लिए आए। कुछ लोगों को 10 साल काम का मौका मिला लेकिन तमाम सांसद ऐसे रहे, जिन्हें सदन में अपनी बात कहने का मौका नहीं मिला। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ नकारात्मक लोगों ने अपनी विफलताओं को ढांकने के लिए सदन का दुरुपयोग किया। मैं अपील करूंगा कि नए सदस्यों को मौका मिले। उन्हें बोलने दिया जाए और ज्यादा से ज्यादा लोग आगे आ सकें। आपने देखा होगा कि पहले ही सदन में किस तरह उसकी आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ, जिसे सरकार चलाने का जनादेश मिला है। ढाई घंटे तक आवाज दबाने की कोशिश हुई।

# बजट से पहले मोदी सरकार ने पेश किया आर्थिक सर्वे

**सरकार का दावा-सिलेंडर सस्ता होने से ईंधन महंगाई घटी**

**मोदी सरकार को जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान**

नई दिल्ली (एजेंसी)। इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाय 24 में नीचे बनी रही। वहीं इसमें वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। इकोनॉमिक सर्वे में ये भी कहा गया है कि बढ़ती वर्कफोर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है।

वित्त मंत्री ने आज यानी, सोमवार 22 जुलाई को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश करता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए डेवलपमेंट की रिव्यू होता है। ग्लोबल एनर्जी प्राइस इंडेक्स में एफवाय 24 में गिरावट आई। सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाय 24 में नीचे बनी रही। अगस्त 2023 में, एलपीजी कीमतों में 200 रुपए/सिलेंडर की कटौती की गई थी। वहीं मार्च 2024 में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपए/लीटर की कटौती की। एग्रीकल्चर सेक्टर को खराब मौसम, घटते जलाशयों और फसलों के नुकसान के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसका असर कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर पड़ा। इससे वित्त वर्ष 24 में खाद्य महंगाई बढ़कर 7.5 फीसदी हो गई। 2023 में ये 6.6 फीसदी थी।

## संसद में बिहार के 13 करोड़ लोगों का सपना चकनाचूर

**नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)।** बिहार के 13 करोड़ लोगों का सपना चकनाचूर हो गया है। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव समेत राज्य के तमाम दलों के नेता बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की डिमांड करते रहे हैं। अब यह सपना ही रह जाएगा। सोमवार को संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान यह डिमांड चकनाचूर हो गया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। संसद में दाखिल सवाल के जवाब में मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि पहले देश के कुछ राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा मिल चुका है। विशेष श्रेणी का दर्जा राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की ओर से दिया जाता है। इसके लिए कुछ पैमाने तय किए गए हैं, जिसपर बिहार कहीं से भी खरा नहीं उतरता है। राष्ट्रीय विकास परिषद ने बिहार की डिमांड पर विचार किया है, जिसके बाद 30 मार्च 2012 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत पेश की थी। विशेष राज्य के दर्जे का मामला नहीं बनता है।

# कांवड़ रूट की दुकानों पर 'नेमप्लेट' जरूरी नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांवड़ रूट पर दुकानदारों के नाम डिस्प्ले बोर्ड में लिखे जाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में कांवड़ यात्रा रूटों को लेकर ऐसा आदेश दिया था। इसके अलावा उत्तराखंड ने हरिद्वार को लेकर ऐसा आदेश दिया था। वहीं महाकाल की नगरी उज्जैन में भी मध्य प्रदेश

**● सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार के फैसले पर लगाई रोक**

**● कहा-भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी सिर्फ यह बताएं**

सरकार ने ऐसा फैसला लिया था। इसके तहत कहा गया था कि कांवड़ यात्रा के रूट पर पड़ने वाले रेस्तरां और खानपान की दुकानों के मालिकों को अपना नाम, नंबर और पता लिखना होगा। इसके अलावा स्टाफ की भी जानकारी देनी होगी। तीन राज्यों में इस तरह के आदेश का विरोध हो रहा था और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। अब अदालत ने नाम वाले आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है और 26 जुलाई को अगली सुनवाई की तारीख तय की है।

**संसद में नीट पेपर लीक मामले पर जबरदस्त हंगामा**

# राहुल गांधी बोले-देश का एग्जामिनेशन सिस्टम फ्रॉड

**● शिक्षा मंत्री ने कहा-चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नीट में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की। शिक्षा मंत्री बोले-मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है। राहुल गांधी ने कहा-देश को दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।

प्रधान ने कहा- 2010 में मनमोहन सिंह सरकार में कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार के लिए 3 बिल लाए। उनमें से एक अनियमितता रोकने के लिए था। उसे किसके दबाव में वापस लिया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा-शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जवाब देना चाहिए था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और पीएम मोदी के बारे में बात की, लेकिन वह यह नहीं बता पा रहे हैं कि वह इस पर क्या कर रहे हैं। नीट युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमने हमेशा संसद में चर्चा की मांग की है, लेकिन सरकार इसमें दिलचस्पी नहीं ले रही है। हम इस मुद्दे को उठाते रहेंगे और सरकार पर दबाव बनाते रहेंगे। संसद में लोकसभा की कार्रवाई जारी है। विपक्ष ने कहा कि नीट में गड़बड़ी की वजह से कई स्टूडेंट्स की मौत तक हुई है। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ ही जगहों पर गड़बड़ी हुई है।

**नीट पेपर लीक मामला**

# एससी को स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक होने का शक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई जारी है। यह चौथी सुनवाई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने रीएग्जाम की मांग की। उन्होंने 2015 के तन्वी सरवाल फैसले का हवाला दिया। तब 44 स्टूडेंट्स ने एग्जाम में अनफेयर मीन्स का इस्तेमाल किया था, इसके बाद ऑल इंडिया प्री-मेडिकल 2015 एग्जाम कैंसिल कर दिया था। सीजेआई ने कहा-आरोपियों के बयान अलग-अलग है। अगर पेपर लीक (4 मई) की रात को हुआ है, तो जाहिर है कि स्ट्रॉन्ग रूम वॉल्ट से हुआ था।

# कमला और ट्रम्प में फाइट मुकाबला हुआ बड़ा टाइट

**अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में पलट सकती है ट्रम्प की लहर**

**कमला युवा और तेज तर्रार, समलैंगिकों-महिलाओं में पकड़**

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 21 जुलाई, भारतीय समयानुसार रात करीब 11 बजे जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हाथ खींच लेते हैं। उन्होंने 28 जून की प्रेसिडेंशियल डिबेट हारने के करीब एक महीने बाद ये फैसला लिया। पार्टी लगातार बाइडेन पर दावेदारी वापस लेने के लिए दबाव बना रही थी। अब अपना नाम वापस लेते हुए बाइडेन ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रेसिडेंशियल कैंडीडेट के तौर पर चुना है। हालांकि, अभी कमला के नाम पर पार्टी की मुहर लगनी बाकी है। कमला उम्र में बाइडेन से 22 साल छोटी हैं। विपक्ष के हमलों का जवाब देने में माहिर हैं, ब्लैक वोटर्स से लेकर महिलाओं तक में उनकी पैंठ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करीब 20 साल छोटी हैं। अगर वह अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई जाती हैं तो पार्टी के अंदर वह एक नई पीढ़ी का नेतृत्व करेंगी। इस तरह अमेरिकी युवाओं में बाइडेन की वजह से जो आकर्षण कम हुआ था, वो हैरिस के नाम पर वोट देंगे।

**आरएसएस को मिला मोदी सरकार से बड़ा तोहफा**

# 58 साल बाद संघ की की गतिविधियों में भाग ले सकेंगे सरकारी कर्मचारी

## केंद्र सरकार ने 1966 में लगा बैन हटाया, कांग्रेस सहित विपक्ष हुआ हमलावर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होन पर लगे बैन को हटाया है। 1966 में तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने यह बैन लगाया था। 58 साल बाद केंद्र सरकार ने इसे रद्द किया। रविवार की देर रात कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है। 58 साल का प्रतिबंध हटाया गया है। मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है। रमेश ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय का 9 जुलाई को जारी कार्यालय के मेमोरेंडम को शेयर किया है। इसमें

सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने से संबंधित जानकारी दी गई है। रमेश ने 1966 के आदेश की फोटो भी शेयर की है। रमेश के इस दावे पर बीजेपी आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने केंद्र सरकार के आदेश का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने लिखा 58 साल पहले जारी एक असंवैधानिक निर्देश को मोदी सरकार ने वापस ले लिया है। रमेश ने लिखा, फरवरी 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अच्छे आचरण के आश्वासन पर प्रतिबंध को हटाया गया। इसके बाद भी आरएसएस ने नागपुर में कभी तिरंगा नहीं फहराया।

## एनडीए में सब ठीक नहीं, अजीत ने पकड़ ली अलग राह

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने ये भी कहा कि महायुति के सभी घटक दल अलग-अलग और स्वतंत्र रूप से स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। अजित पवार ने पिंपरी चिंचवाड़ शहर में राकांपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्र चुनाव लड़ने से कार्यकर्ताओं को मजबूती मिलेगी। पवार ने कहा, भले ही हम लोकसभा और राज्य

विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ते हैं, लेकिन महायुति के सदस्य स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। जूनियर पवार की यह घोषणा पिंपरी चिंचवाड़ में एनसीपी के स्थानीय नेताओं के एक वर्ग द्वारा पार्टी छोड़कर शरद पवार गुट में शामिल होने के बाद आई है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद अजित पवार को आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी राजनीतिक क्षमता साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि स्थानीय निकाय चुनाव के तहत नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों और जिला परिषदों के चुनाव कराए जाते हैं, हालांकि अभी तारीख तय नहीं की गई है।

## नई मुसीबत में खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल सिंह

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब की खडूर साहिब सीट से चुनाव जीत कर सांसद बने खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के सांसद बनने को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने वाले विक्रमजीत सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अमृतपाल सिंह पर जानकारी

छुपाने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। याचिका पर हाईकोर्ट जल्द ही सुनवाई कर सकता है। विक्रमजीत सिंह ने याचिका में आरोप लगाए हैं कि खडूर साहिब से चुनाव लड़ने अमृतपाल सिंह ने अपने नामांकन पत्र में कई अहम जानकारियां छिपाई हैं। उन्होंने अपने चुनाव पर आए खर्च का भी पूरा ब्योरा नहीं दिया है। चुनाव के दौरान उनके समर्थन में रोजाना कई मीटिंगें होती थीं और वाहनों और चुनावी सामग्री का इस्तेमाल होता था, इसका भी कोई ब्योरा नहीं दिया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### वजीरगंज में नकली टीटीई को यात्रियों ने पकड़कर किया जीआरपी के हवाले

**गया, एजेंसी।** गया-किऊल रेलखंड पर वजीरगंज में रविवार की सुबह रामपुर हाट पैसेंजर ट्रेन से एक नकली टीटीई को पकड़कर यात्रीयों ने रेलवे प्रशासन को सौप दिया। स्टेशन मास्टर विकास चौधरी ने बताया कि उक्त व्यक्ति टीटीई के ड्रेस में था और यात्रियों से टीकट की मांग कर रहा था। उसे नवादा आरपीएफ के हवाले कर दिया गया है। यात्री रीतेश सिंह ने बताया कि वह कई यात्रियों से टीकट मांग कर चेक कर रहा था। मेरे पास भी टीकट था, लेकिन किसी कारण से मैने उससे आईडी मांग ली। जब उसने आईडी दिखाई तब मेरे साथ अन्य यात्रियों को उसपर शक हुआ। पूछताछ में पता चला की वह फर्जी टीटीई था। उसे पकड़कर वजीरगंज में रेलवे प्रशासन को सौंप दिया। स्टेशन मास्टर के अनुसार उसके पास नकली आईडी थी। पूरा वेश उसने टीटीई का धरा हुआ था। उससे पूछने पर उसने बताया कि वह बनारस का रहने वाला है और पहले पेंट्री कार में काम करता था, जिसके बाद उसने यह धंधा अपनाया। उसके पास दो डायरी व नकली कैशमेमो था।

### तरवन में महिला की सर्पदंश से मौत, घर में मातम

**गया, एजेंसी।** बांकेबाजार थाने के तरवन गांव में रविवार सुबह सांप काटने से एक महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान तरवन गांव की गायत्री देवी (56) के रूप में की गई है। इससे पहले महिला को मूर्छित अवस्था में बांकेबाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। हालांकि वहां से महिला को गया के मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया जहां महिला ने पहुंचते ही दम तोड़ दिया। घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए मृतका के पुत्र प्रदीप कुमार ने बताया कि मां अपने खेत में कुछ काम को लेकर गई हुई थी। लौट के दौरान एक जहरीले सांप ने दाहिना पैर के अंगुली में काट लिया। फिर, कुछ देर के बाद घर लौटी। बेहोश हो गई। अस्पताल लाया गया हालांकि गया पहुंचने के बाद मौत हो गई। महिला की मौत के बाद घर में मातम पसर गया। सभी परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल था।

### लक्ष्मीसागर धर्मपुर में गुरु वेदव्यास की मनायी जयंती

**दरभंगा, एजेंसी।** गुरु पूर्णिमा पर आदि गुरु वेदव्यास की जयंती का आयोजन लक्ष्मीसागर धर्मपुर में हुआ। इस अवसर पर काव्य चेतना कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय संबोधन में हिंदी साहित्यकार प्रो. रामचंद्र चंद्रेश ने कहा कि गुरु-शिष्य आत्मिक संबंध से ही आधुनिक शिक्षा का उद्धार संभव है। राष्ट्रभाषा हिंदी विकास परिषद, दरभंगा के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता परिषद के अध्यक्ष डॉ. हीरालाल साहनी थे। हिंदी शोध प्रज्ञ खुशबू कुमारी, पीजी हिंदी की छात्रा निर्मला कुमारी सिंह दिव्य, पीजी वाणिज्य विभाग की छात्रा रूपा कुमारी, हिंदी प्रतिष्ठा की छात्रा सुधा कुमारी व पीजी हिंदी के छात्र धीरज कुमार ने भी विचार रखे।

### भक्तों ने भागवत कथावाचक का किया पूजन

**दरभंगा।** गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लहेरियासराय स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भक्तों ने भागवत खतावाचक आचार्य वेदानंद शास्त्री 'आनंद का पूजन-अर्चन किया। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी विकासात्मक समिति, लहेरियासराय के तत्त्वावधान में कार्यकारी अध्यक्ष ललन कुमार झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में दरभंगा नगर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। श्री झा ने कहा कि जीवन में गुरु वंदना से बढ़कर कुछ नहीं है। अध्यक्ष शिशिर कर्ण, सचिव डीएन मल्लिक, सचिव सह प्रबंधक एसएस पराशर, उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, समन्वयक संतोष चौधरी, कोषाध्यक्ष पवन सिंह, उपसचिव सुधीर मिश्रा, टुनटुन प्रसाद रॉय सहित अन्य ने विचार रखे।

# सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ी भीड़, 72 साल बाद खास संयोग

**देवघर बैद्यनाथधाम में 4 किमी, मुजफ्फरपुर गरीबनाथ में 1किमी लंबी लाइन**

**पटना, एजेंसी।** आज से सावन की शुरुआत हो गई है। सावन का पहला दिन ही सोमवार है। सुबह से ही पटना समेत बिहार के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में रात से ही श्रद्धालुओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। सोमवार को लगभग 50 हजार भक्त पहुंचे। श्रद्धालु अरघा से जलाभिषेक किया। उधर, समस्तीपुर के विद्यापति मंदिर में पहले सोमवार पर जलाभिषेक करने के लिए सुबह से ही करीब 1 किलोमीटर की लंबी लाइन लगी हुई थी। पूरा शिवालय बोल-बम और हर-हर महादेव के नारे से गूंजता रहा। बगहा के रामनगर स्थित नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। यहां 400 मीटर लंबी लाइन लगी। बताया जा रहा है कि शाम तक यह संख्या श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 40 हजार पहुंच गई थी। सुरक्षा को देखते हुए मंदिर परिसर में 9 सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। दूसरी ओर झारखंड के देवघर का बाबा बैद्यनाथ धाम कांवरियों से पट गया है। रविवार देर शाम से ही यहां 4 किमी से ज्यादा की लाइन लगी हुई। सुबह 3 बजे मंदिर का पट खुला, सरदारी पूजा के बाद जलाभिषेक शुरू हुआ। पहली सोमवारी पर डेढ़ लाख कांवरिया जलाभिषेक करने पहुंचे।

### 72 सालों बाद बना खास संयोग

श्रावण मास की शुरुआत और समापन सोमवारी से हो रहा है। यह खास संयोग 72 सालों बाद बना है। इसके साथ ही 4 साल बाद इस वर्ष सावन महीने में पांच सोमवार है, जो शुभ संयोग है। पटना के गायघाट स्थित गौरी शंकर मंदिर, बोरिंग रोड चौराहा स्थित शिव मंदिर, खाजपुरा शिव मंदिर और महावीर मंदिर में पूजा के लिए भक्तों की भीड़ रहेगी है। इस साल सावन 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त को संपन्न होगा।

### किऊल नदी में स्नान कर जलाभिषेक

हजारों की संख्या में श्रद्धालु किऊल नदी में स्नान कर जल भर कर बाबा पतनेश्वर नाथ स्थित भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं। मौके पर डीडीसी सुमित कुमार ने कहा कि पहली सोमवारी को बाबा पंचवटी पतनेश्वर धाम मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया। बाबा शिव जमुई वासियों को सुख शांति प्रदान करें। पंचवटी पतनेश्वर नाथ मंदिर के अध्यक्ष सह जमुई एसडीओ अभय तिवारी ने कहा कि बाबा पंचवटी महादेव पतनेश्वर धाम में इस बार आपका दर्शन अधिक सुखदाई हो, सभी लोग आए बाबा का दर्शन करें। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए सीसीटीवी लगाए गए हैं। जहां दो लोग लगातार प्रति नियुक्त किए गए हैं।

### 30 वालंटियर की हुई नियुक्ति

किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी या दुर्घटना नहीं हो इसके लिए 30 वालंटियर की नियुक्ति की गई है, जो भीड़ को नियंत्रित करेंगे। पूरा प्रयास रहेगा कि विधि व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु दान दक्षिणा दान पेटी में ही डालें। इससे मंदिर का विकास अच्छे से कर सके। कोई भी परेशानी हो तो मंदिर के उपाध्यक्ष मंदिर के सचिव को सुझाव दें। उन्होंने कहा कि जिले में तीन बड़े शिव मंदिर हैं। पहला बाबा पतनेश्वर नाथ, दूसरा धनेश्वर नाथ, जो महादेव सिमरिया में है। इसके बारे में कहा जाता है कि देवघर के बाद सबसे ज्यादा शक्तिशाली पीठ के रूप में इन्हें जाना जाता है। गिद्धेस्वर मंदिर, जिसकी ऐतिहासिकता रामायण काल से जुड़ी हुई है। यह तीनों मंदिर लोग आस्था के प्रमुख केंद्र हैं। श्रद्धालु यहां बड़ी संख्या में दर्शन करने के लिए आते हैं।

# मुकेश सहनी पिता हत्याकांड: गुप्त स्थान पर काजिम से पूछताछ कर रही पुलिस

**पटना, एजेंसी।** वीआईपी सुप्रीमो और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित काजिम अंसारी से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसे बिरौल में किसी गुप्त जगह पर ले जाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस हाईप्रोफइल हत्याकांड को लेकर काफी गंभीर है। अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस की जांच में अबतक हत्या सूद-ब्याज और शराब ऐंगल सामने आया है। माना जा रहा है कि काजिम से पूछताछ में कई नए खुलासे हो सकते हैं। मुकेश सहनी नीतीश कुमार की 2020 की सरकार में पशुपालन एवं मत्स्य विकास मंत्री थे। इस मामले में बिरौल एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी ने कहा कि कोर्ट ने शनिवार की शाम काजिम अंसारी को दो दिनों की रिमांड पर पुलिस को सौंपा है। उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक की पूछताछ में कोई नयी बात सामने नहीं आयी है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि काजिम को कहां ले जाकर पूछताछ की जा रही है। उधर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि काजिम से पूछताछ में कई नयी जानकारियां मिल सकती हैं। रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद पुलिस के वरीय अधिकारी इसकी जानकारी देंगे। बता दें कि वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या गत 15 जुलाई की देर रात घनश्यामपुर थाने के जिरात गांव में उनके घर में सोयी अवस्था में कर दी गयी थी। इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। तीन आरोपितों को कोर्ट ने जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपित काजिम अंसारी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस की जांच में जीतन सहनी के आवास से तीन खाली ग्लास और शराब के 38 खाली पाउच मिले थे। इसके अलाबे बंद संदूक से पुलिस को जमीन, गाड़ी और अन्य प्रॉपर्टी के कागजात मिले। पता चला कि जीतन सहनी चार परसेंट मासिक ब्याज पर पैसों का लेनेदेन करते थे। बदले में जमीन या अन्य प्रॉपर्टी के दस्तावेज जमानत के तौर पर रखते थे। काजिम की पत्नी ने उन पर शराब बेचने और पिलाने का आरोप लगाया। कयास लगाए जा रहे हैं कि रिमांड वाली पूछताछ में पुलिस कोई नई जानकारी निकालकर बाहर लाएगी।

### मुकेश सहनी के घर पहुंचे कई विधायक

पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद नेताओं का शोक संवेदना व्यक्त करने का सिलसिलारविवार को भी जारी रहा। वीआईपी सुप्रीमो के आवास पर भाजपा के पूर्व एमएलसी डॉ. अर्जुन सहनी, विधायक डॉ. रामचंद्र प्रसाद, दरभंगा शहरी विधायक संजय सरावगी, साहेबगंज के विधायक राजू सिंह एवं एमएलसी भीष्म सहनी सहित कई नेताओं ने पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इस दौरान स्थानीय रामविलास भारती, रविंद्र पोद्दार, प्रदीप प्रधान एवं अजय बिरौलिया सहित कई लोग मौजूद थे। आगंतुक सभी नेताओं ने कहा कि वीआईपी प्रमुख के पिता की हत्या अत्यंत दुखद एवं निंदनीय है। शीघ्र ही विशेष ट्रायल चलाकर दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिलाने की सरकार से मांग की जाएगी।

# जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर कॉलेज में नौकरी कर रहे कर्मचारी, बेतिया में जांच की उठी मांग

**बेतिया, एजेंसी।** बेतिया के रामलखन सिंह यादव कॉलेज के कर्मियों की उम्र में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर 15 साल की उम्र से कर्मचारी नौकरी कर रहे हैं जिसमें दो लोगों का भंडाफोड़ हो गया। यूनिवर्सिटी द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। यहां नौकरी करने के लिए न उम्र की सीमा मायने रखती है और न ही जन्म तिथि, सरकार ने भले ही नौकरी के लिए उम्र की न्यूनतम सीमा 18 वर्ष निर्धारित की है, लेकिन कॉलेज के कई कर्मी खेलने-खाने और स्कूल में पढ़ने की उम्र से नौकरी कर रहे हैं। कई तो नौकरी पूरी कर सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं और सरकार से पेंशन ले रहे हैं। फर्जीवाड़े के बल पर कॉलेज के प्रधान सहायक विजय प्रसाद यादव के बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में 12 नवंबर 1969 जन्म तिथि अंकित है। जबकि 22 अक्टूबर 1985 को इनका योगदान पत्र जारी हुआ है। यानी 16 साल 3 महीना 10 दिन में ये नौकरी करने के योग्य हो गए हैं और नौकरी भी कर रहे हैं। कॉलेज में ऐसे एक नहीं कई उदाहरण है।

पूर्व प्रधान सहायक रंजीत सिंह यादव अब कॉलेज से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इन्हें हर माह पेंशन भी मिलता है। बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में उनकी जन्मतिथि 24 नवंबर 1962 अंकित है। इनका योगदान पत्र 14 दिसंबर 1977 को जारी हुआ है। यानी ये 15 साल 20 दिन की उम्र से कॉलेज में नौकरी करना शुरू कर दिए थे। ये महज कुछ उदाहरण है।

## सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

**बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी।** बगहा के धनहा थाना क्षेत्र के विश्वकर्मा चौक के समीप बासी-धनहा मुख्य मार्ग पर रविवार की देर शाम दो बाइक की टक्कर हो गई। इसमें एक युवक की इलाज के क्रम में मौत हो गई। जबकि, दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद दूसरी बाइक पर सवार दोनों व्यक्ति मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, वंशीटोला गांव निवासी अखिलेश राम (17) और उमेश राम (18) अपनी बहन के घर घुसरी से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक की टक्कर एक अन्य बाइक से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अखिलेश और उमेश दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गश्ती गाड़ी पर तैनात एसआई मोनू कुमार ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अपने वाहन से मधुबनी पीएचसी पहुंचाया, जहां डॉ. सुल्तान ने प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रेफर कर दिया। परिजन अखिलेश राम को गंभीर हालत में उत्तर प्रदेश के पडरौना लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

**पुलिस ने बाइक को किया जब्त :** घटना के बाद आक्रोशित परिजन शव को लेकर धनहा थाना पहुंचे और हंगामा करने लगे। पुलिस ने समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बगहा भेजने की तैयारी कर रही है । धनहा प्रभारी थानाध्यक्ष तेजस्वी कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइक को जब्त कर लिया गया है। इसमें से एक बाइक पर बिहार पुलिस का लोगों लगा हुआ है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

## छात्राओं की मौत मामले में 9 शिक्षक को नोटिस:सभी का वेतन रोका गया

### स्कूल में शौचालय बंद होने की वजह से 2 बच्ची की हुई थी मौत

**पूर्णिया, एजेंसी।** पूर्णिया के सरकारी स्कूल में शौचालय का दरवाजा बंद रहने के कारण बच्चों की मौत पर शिक्षा विभाग अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है । जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना सह प्रारंभिक शिक्षक एवं सर्व शिक्षा अभियान पूर्णिया की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। माध्यमिक विद्यालय अलीपुर- 2 के 9 शिक्षक और शिक्षिकाओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है । इन शिक्षक और शिक्षिकाओं में महेश पासवान सहायक शिक्षक, सुशील कुमार रजक सहायक शिक्षक, अनामुल हक सहायक शिक्षक, अर्चना देवी सहायक शिक्षिका, चंदा कुमारी सहायक शिक्षिका, ब्यूटी कुमारी सहायक शिक्षिका, नीतू कुमारी सहायक शिक्षिका, सायका आफरीन सहायक शिक्षिका और सूफिया नाज सहायक शिक्षिका का नाम शामिल है ।

### सभी का वेतन रोका गया

जारी पत्र में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने लिखा है कि शौचालय में ताला बंद रहने के कारण दो छात्राएं शौच के लिए बाहर गई, जहां पानी में डूबने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। स्कूल के दौरान शौचालय खुला रखने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी की ओर से दिया गया है। आदेश को नहीं माना गया है । यह स्थिति बेहद खराब है । आरोपियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए । तत्काल प्रभाव से आप सभी का वेतन स्थगित किया जाता है। 21 जुलाई 2024 को जारी इस पत्र में कुल 9 शिक्षक-शिक्षिकाओं के नाम का जिक्र किया गया है। उनसे साफ तौर पर बोला गया है कि सुचारू रूप से विद्यालय के संचालन की जिम्मेदारी केवल प्रधानाध्यापक ही नहीं बल्कि विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षक शिक्षकाओं की भी होती है। यही कारण है कि उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

### कब हुआ था मामला

20 जुलाई 2024 को पूर्णिया के के.नगर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माध्यमिक विद्यालय अलीपुर खंड 2 में दो बच्चियों की मौत की सूचना मिली थी। इसका कारण यह बताया जा रहा था कि विद्यालय के शौचालय में ताला लटका हुआ था। इस वजह से शौच के लिए बच्चियां स्कूल के पीछे बांसबारी में गई । जहां पांव फिसलने से पास के तालाब में डूब गई और उनकी मौत हो गई थी।

# उमस-गर्मी से परेशान पटना समेत 26 जिलों में मंगलवार को हल्की बारिश के आसार

**पटना, एजेंसी।** मानसून के कमजोर पड़ जाने से बिहार इन दिनों उमस वाली पकाने वाली गर्मी की चपेट में है। धूप तेज नहीं होती है लेकिन ह्यूमीडिटी ज्यादा होने की वजह से लोगो के पसीने छूट रहे हैं। इस बीच गर्मी से राहत की खबर है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में मंगलवार को हल्की बारिश के आसार हैं। राजधानी सहित 26 जिलों में गरज व चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसको लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य के लोगों को मानसून की झमाझम बारिश के लिए अभी इंतजार करना होगा। आज और कल बारिश तो होगी लेकिन कहीं हल्की तो कहीं मध्यम दर्जे की बारिश होगी। इससे धान की फसल को थोड़ा बहुत फायदा होगा लेकिन किसान नई खेती नहीं कर पाएंगे। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में मानसून का ट्रफ लाइन बिहार या उसके आसपास के राज्यों में मौजूद नहीं है। ट्रफ लाइन आने के बाद ही प्रदेश में तेज बारिश होने की संभावना जताई गयी है। प्रदेश में अब तक मानसून की बारिश 405.7 मिलीमीटर होनी चाहिए। लेकिन 302.5 मिलीमीटर ही हुई है। यह सामान्य से 25 प्रतिशत कम है।

### पटना, मुजफ्फरपुर में रविवार शाम को हल्की बारिश

राजधानी पटना , मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में में रविवार शाम को हल्की बारिश हुई। इस दौरान पटना के राजा बाजार और सगुना मोड़ इलाके हल्की बारिश हुई। वहीं कंकड़बाग और राजेंद्र नगर के क्षेत्रों में रिमझिम बारिश हुई। पटना में 2.4 मिलीमीटर बारिश हुई। जिस कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से आंशिक तौर पर राहत मिली। रविवार सुबह से ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा था। वहीं बीच-बीच में बादल छाए रहने के कारण लोगों को तेज धूप से थोड़ी सी राहत मिली लेकिन पसीने छूटते रहे। वातावरण में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण लोगों को बेचैनी करने वाली गर्मी का एहसास हो रहा था।

### लोगों को 45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान का हो रहा एहसास

राजधानी सहित बिहार का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के नीचे है। लेकिन वायुमंडल में आद्रता की मात्रा 60 से 70 प्रतिशत तक होने के कारण लोगों को 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक के तापमान का एहसास हो रहा है। जो लोगों को असहज कर रहा है।

### बादल छाए रहने से अधिकतम पारा गिरा

पटना सहित प्रदेश के ज्यादातर शहरों में रविवार को बादल छाए रहने के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट आई। जिस कारण लोगों को आंशिक तौर पर गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को पटना सहित 25 शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट आई, वहीं 10 शहरों के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। प्रदेश का सबसे गर्म जिला 37.4 डिग्री के साथ गोपालगंज रहा। पटना का अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

# श्रावणी मेला: सोमेश्वरनाथ महादेव पर दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

- 31 चप्पे-चप्पे पर तैनात रही सुरक्षा व्यवस्था
- स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी/अरेराज

बिहार के काशी कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार की श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर के महंत रविशंकर गिरि की उपस्थिति में सुबह के लगभग 2:30 बजे मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयकारों से मंदिर को गुंजित कर दिया। अरेराज मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जयकारों से गुंजित होता रहा। लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में बाबा का जलाभिषेक किया। मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दिनभर प्रशासनिक पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं को संभालने के लिए पसीना छुड़ाना पड़ा। मंदिर प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं के लिए अलग से सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे। सड़क पर जाम की समस्या को दूर करने के लिए मंदिर प्रशासन ने महिलाओं के लिए अलग से कतार की व्यवस्था की थी।

**स्वास्थ्य विभाग ने लगाया था शिविर-** मेले में आए हुए श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अलग से शिविर लगाया हुआ है। इस शिविर के माध्यम से लगभग दर्जन भर से अधिक श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई गई। रेफरल अस्पताल के प्रभारी डॉ. उज्जवल प्रताप का कहना है कि श्रद्धालुओं के हर समस्या के समाधान के लिए स्वास्थ्य विभाग तत्पर है। एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

**कई जगह बनाए गए हैं कंट्रोल रूम-** श्रद्धालुओं के सेवा के लिए कई जगह कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। मंदिर के प्रांगण में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। इसके साथ ही एसडीएम आवास के सामने और बहादुरपुर जाने वाली सड़क के पास हनुमान मंदिर के सामने नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष के माध्यम से श्रद्धालुओं के हर समस्या का समाधान अरेराज प्रशासन के द्वारा किया जाएगा।

**कुछ समय के लिए हुई को कुव्यवस्था-** सुबह के 4:00 बजे कुछ समय के लिए कुव्यवस्था हो गई। बैरिकेडिंग टूट जाने के कारण आए हुए श्रद्धालुओं में अफरातफरी हुई लेकिन प्रशासनिक सूझबूझ के कारण हुई अव्यवस्था को दूर किया गया। मंदिर के बगल में तिलावे पुल के पास भारी भीड़ हो जाने के चलते लोहे की बैरिकेडिंग टूट गई। प्रशासन की चौकसी के चलते भीड़ को नियंत्रित किया गया।

**बिजली व्यवस्था ने खोला विद्युत विभाग का पोल-** विद्युत विभाग का एक महीने पूर्व से यह दावा रहा की सावन के पूर्व बिजली व्यवस्था व्यवस्था चौकस कर दी जाएगी। लेकिन सावन के पहली सोमवारी को ही विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। दिनभर बिजली की आंख मिचौली जारी रही। जिसके चलते श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। विद्युत व्यवस्था सुचारू नहीं रहने के चलते बूंद बूंद पानी के लिए श्रद्धालु तरस गए।

**कहते हैं एसडीएम और डीएसपी-** एसडीएम अरुण कुमार और डीएसपी रंजन कुमार ने कहा है कि मेले की विधि व्यवस्था को लेकर कोई भी चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की हर समस्या का समाधान त्वरित किया जाएगा। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो इसके लिए लगभग सैकड़ो से अधिक पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

**महंत ने कहा-** सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रविशंकर गिरि ने कहा कि मंदिर की व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। इसके लिए वालंटियर को लगाया गया है। मंदिर की व्यवस्था का देखरेख करने के लिए विनय बिहारी वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, अंकुर गिरि आदि लोगों को श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लगाया गया है।

**झूमते नाचते कांवरिया पहुंचे बाबा सोमेश्वरनाथ के दरबार में-** डीजे बजाकर झूमते नाचते कांवरिया सावन के पहले सोमवार को बाबा सोमेश्वरनाथ के दरबार में पहुंचे। जोगियाड़ रोड में कांवरियों के आने से सड़क पूरी तरह जाम हो गया। कोई भी प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों के सहयोग से जाम को हटाया गया। लेकिन कांवरियों का जोश चरम पर था। श्रद्धालुओं ने कहा कि बाबा सोमेश्वरनाथ के दरबार में आकर हमें सुख की अनुभूति होती है।

## केसरनाथ धाम: केसरिया में नाचते-गाते पहुंची शिव भक्तों का जनसैलाब

बीएनएम। केसरिया

स्थित बाबा केसरनाथ महादेव मंदिर में प्रथम सोमवारी पर अलग सुबह तीन बजे से शुरु हुआ जलाभिषेक का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। गंगा नदी के पहलेजा घाट, गंडक नदी के सत्तर घाट एवं बूढ़ी गंडक नदी के बारा घाट से भारी संख्या में श्रद्धालुओं का जत्था जल लेकर केसरिया पहुंचा। शिव भक्ति गाने की धून पर नाचते कांवरिया आकर्षण का केन्द्र बने हुए थे। केसरनाथ महादेव मंदिर से लेकर पूरे केसरिया बाजार में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। केसरिया मुख्य बाजार में यातायात सामान्य रखने के लिए बड़ी गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया गया था। सुरक्षा की कमान केसरिया के थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर उदय कुमार ने खुद संभाल रखा था। एक अनुमान के मुताबिक केसरनाथ महादेव का आज करीब एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। प्रथम सोमवारी के अवसर पर

### केसरिया में बाबा केदारनाथ मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

अरेराज एवं केसरिया सहित जिले के सभी शिव मंदिरों को सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया था। सोमवार की देर शाम भूत-भावन भगवान भोलेनाथ का महा श्रृंगार भी किया गया। इस अवसर पर जिले में कई जगह भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

## आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाकर इसका लक्ष्य प्राप्त किया जाए: जिलाधिकारी

- 31 जुलाई तक विशेष अभियान के तहत जन वितरण प्रणाली की दुकानों, जीविका, पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाए
- 5 लाख रुपए तक की निःशुल्क इलाज की मिलेगी सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

जिला समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने का निर्देश देते हुए जिला के सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को इसका अनुश्रवण करने एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए लगाए गए शिविर का निरीक्षण करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा की 31 जुलाई तक विशेष अभियान के तहत जन वितरण प्रणाली की दुकानों, जीविका, पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। आयुष्मान कार्ड बिल्कुल निशुल्क है। इस कार्ड के बन जाने से प्रतिवर्ष प्रति परिवार को 5 लाख रुपए तक का निशुल्क इलाज की सुविधा मिल जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि हर हाल में इसका लक्ष्य प्राप्त किया जाए। उनके द्वारा समीक्षा में पाया गया कि रक्सौल अनुमंडल अंतर्गत इस क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बायोमेट्रिक उपस्थिति नहीं बनाने वाले पदाधिकारी एवं कर्मी की वेतन काटने का निर्देश दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं बीपीआरओ के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह को सदर अस्पताल सहित जिला के सभी अस्पतालों में रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों की उपस्थिति, साफ सफाई, दवा व इलाज के बेहतर व्यवस्था को सुनिश्चित कराने एवं नियमित रूप से औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

**राशनकार्ड धारक अपने निकटतम कैंप में जाकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैः-** सभी राशनकार्ड धारक अपने निकटतम कैंप में जाकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते है। कैंप अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न स्तर पर एक साथ आयोजित किए जा रहें हैं। जन वितरण प्रणाली दुकानों पर, पंचायत स्तर पर, प्रखंड स्तर पर नगर परिषद् स्तर पर या खुद से भी मोबाइल पर रजिस्ट्रेशन कर सभी लाभुक इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। ज्ञात हो कि जिन लाभुकों का e-KYC पूर्ण है वह स्वयं भी इस पोर्टल पर https://beneficiary.nha.gov.in/ पर अपना आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ जोरदार, उप विकास आयुक्त समीर सौरभ, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती, एडीएम आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ अनुपम, डीसीएलआर सदर सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी,प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

## साईं बाबा ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के मिस्कॉट मुहल्ला (कदम घाट) स्थित श्री साईं बाबा ट्रस्ट के तत्वाधान में रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक महोत्सव का आयोजन साईं मंदिर के प्रांगण में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस दिन प्रातःकाल में साईं बाबा का मंगल स्नान, श्रृंगार, पूजा अभिषेक बाबा की आरती के साथ प्रारंभ हुई, साथ ही बाबा की पालकी शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकाली गयी जो नगर के ज्ञान बाबू चौक, बनिया पट्टी, धर्म समाज चौक, मधुबन छावनी चौक, गाँधी चौक मिना बाजार से मुख्य मार्ग होते हुए पुनः मंदिर परिसर में वापस आ गयी। चिलचिलाती प्रचण्ड गर्मी में भी हज़ारों साईं भक्तों ने नंगे पांव झूमते नाचते-गाते बाबा का जयकारा लगाते हुए साईं बाबा की पालकी शोभायात्रा में अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराया। उक्त शोभा यात्रा में हाँथी, घोड़ा बाबा की झंकियाँ देखने के लिए लोगो का तांता लगा रहा। शहर के मुख्य मार्ग पर स्वयं सेवी संस्थाओं ने अपनी तरफ से ठंडी पानी, शरबत का स्टॉल लगा कर लोगों को सेवा दे रहे थे। शोभा यात्रा के पश्चात् साईं की पूजा अर्चना किया गया तथा महा भंडारा का भी आयोजन किया गया। भंडारा में लगभग 5000 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया साथ ही संध्या में भक्ति झांकी का आयोजन किया गया था, जिसे इलाहाबाद से आए कलाकारों द्वारा साईं भजन, झाँकियां प्रस्तुत किया गया, बहुत ही आकर्षण का केंद्र था। वहीं भक्तों ने बाबा के भजनो पर मंत्र मुक्त होकर झूम उठे। संस्था के सचिव राजेश गुप्ता उर्फ़ गुड्डू ने बताया कि मंदिर की स्थापना 2010 में किया गया। यहां हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हो रहा है आगे भी होता रहेगा। मौके पर उपमेयर लालबाबू प्रसाद, बसंत कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, अरुण जायसवाल, मुकेश कुमार गुप्ता, अखिल कुमार, लड्डू, अविनाश कुमार, सत्यजीत कुमार उर्फ मिट्ठू, पत्रकार रवि कुमार गुप्ता, सत्यनारायण प्रसाद गुप्ता, रामसूरत प्रसाद गुप्ता, सुमित कुमार गुप्ता, राजकुमारी देवी, मनीष कुमार, शिवा अग्रहरि, गुड्डू सहारा सहित अन्य साईं भक्त अपनी भागीदारी दिखाई।

## जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक संपन्न, जिलाधिकारी ने दिए दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। इस बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया गया कि जटवा बंजरिया, आदापुर, मेहसी, रामगढ़वा, हरसिद्धि में पशु चिकित्सालय के लिए जमीन उपलब्ध नहीं है। अंचलाधिकारी से जमीन उपलब्धता के संबंध में बात हुयी है। समेकित केंद्र एवं बकरी योजना अंतर्गत 10 बकरी-1 बकरा, 20 बकरी-1 बकरा, 40 बकरी-2 बकरा, 100 बकरी-5 बकरा हेतु योजना स्वीकृत होना है एवं प्रचार-प्रसार निदेशालय स्तर से होना है। गव्य विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि देशी गोपालन प्रोत्साहन योजना अतर्गत लक्ष्य 31 के विरूद्ध 489 आवेदन ऑनलाईन प्राप्त हुये हैं जिसमें 42 आवेदन को बैंक भेज दिया गया है। जिसमें 8 आवेदन को सेंशन भी हो गया है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने निर्देश दिया कि जल्द से जल्द शेष लक्ष्य को पूरा किया जाना है। गन्ना पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सुगौली चीनी मिल द्वारा क्षेत्र के सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। किसानों का भुगतान अप्रैल माह तक हो गया है। सुगौली चीनी मिल द्वारा गन्ना की खेती हेतु फाउन्डेशन बीज एवं कीटनाशी अनुदान पर दिया गया है। वहीं जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि खरीफ 2024 में बीज वितरण लक्ष्य के विरूद्ध शत्-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। खाद एवं उर्वरक की कोई कमी नहीं है। जिले में 16 कृषि प्रक्षेत्र है जिसका दाखिल-खारिज अतिक्रमण एवं सभी कृषि फार्म पर खेती कराने हेतु बिजली कनेक्शन नहीं है। इसको उपलब्ध कराने का अनुरोध जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा किया गया। उक्त बैठक में जिलाधिकारी सहित जिला परिषद अध्यक्षा ममता राय, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला ईख विकास पदाधिकारी, डीपीएम के प्रतिनिधि, सहायक निदेशक उद्यान, सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण, सहायक निदेशक प्रक्षेत्र, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी के प्रतिनिधि सहित अन्य मौजूद रहे।

## दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एक्सपो में एमजीसीयूबी को मिला द्वितीय पुरस्कार

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एक्सपो में केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और अन्य राज्य और केंद्र सरकार के संस्थानों के बीच द्वितीय पुरस्कार जीता। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 20 से 22 जुलाई, 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में सरकारी उपलब्धियों और योजनाओं के एक्सपो में भाग लिया। एक्सपो में, एमजीसीयू ने एनईपी आधारित शैक्षणिक संरचना, भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर, विकल्प आधारित क्रेडिट संरचना, अनुसंधान उन्मुख शिक्षाशास्त्र, अनुभवी संकाय द्वारा कक्षाओं की नियमितता सहित अपने शैक्षणिक आधार का बेहतर प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, फिट इंडिया सप्ताह और भारत सरकार की अन्य अनोखे पहल का भी प्रदर्शन किया। डिजिटल पहल के तहत, एमजीसीयू ने ई-संसाधनों, स्वयं पाठ्यक्रम एकीकरण, स्मार्ट कक्षाओं, टर्निटिन और व्याकरण पहुंच की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। ऑडियो-विजुअल डिस्प्ले के माध्यम से, एमजीसीयू ने दीक्षांत समारोह, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों, प्रकाशनों, पुरस्कारों और संकाय सदस्यों द्वारा पेटेंट का भी अच्छा प्रदर्शन किया। एमजीसीयू द्वार लगाए प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों, विभिन्न राज्यों के गणमान्य व्यक्तियों और उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षाविदों, सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों और दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय लोगों सहित कई आगंतुक का आगमन हुआ। सभी ने विश्वविद्यालय की सराहना की। आगन्तुकों ने आईआईआरएफ रैंकिंग में सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच 20वीं रैंक हासिल करने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई भी दी। आगंतुक एमजीसीयू के प्रोफेसर और संकाय सदस्यों द्वारा सुंदर प्रदर्शनी और गर्मजोशी भरे आतिथ्य से प्रभावित हुए। अनेक लोगों ने एमजीसीयू में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रियाओं और एमजीसीयू में छात्र जीवन के बारे में पूछताछ की। प्रदर्शनी में संकाय सदस्यों की पुस्तकों और प्रकाशनों ने बहुत ध्यान आकर्षित किया। कई पाठकों ने एमजीसीयू के छात्रों और संकाय द्वारा पाठ्यक्रम कैटलॉग, और शोध और रचनात्मक लेखन को भी पसंद किया । प्रदर्शनी में, एमजीसीयू को केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और राज्य और केंद्र सरकार के संगठनों सहित सभी भाग लेने वाले संस्थानों के बीच द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एमजीसीयू के प्रतिनिधि प्रोफेसर शिरीष मिश्रा, डॉ. उमेश पात्रा, शोधकर्ता रवि रंजन और नवीन कुमार ने नई दिल्ली में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. राकेश पांडे, डॉ. नीलाभ श्रीवास्तव, डॉ. कुंदन किशोर रजक और डॉ. बब्लू पाल सहित टीम के सभी सदस्यों के नवीन विचारों और मेहनती प्रयासों से प्रदर्शनी को मूर्त रूप दिया जा सका।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

# बाइक चोरी मामले में पुलिस ने तीन युवक को किया गिरफ्तार

**बीएनएम। हरसिद्धि**

हरसिद्धि पुलिस ने रविवार को अहले सुबह छापेमारी कर उज्जैन लोहियार, कुबरा और सिंगहा गांव के तीन युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवको के निशानदेही पर चोरी की गई एक बाइक भी बरामद किया है। मामले में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की अहले सुबह छापेमारी की गई और उज्जैन लोहियार चंवर से तीन युवक को गिरफ्तार किया गया। जिसमें उज्जैन लोहियार निवासी अक्षय लाल यादव के पुत्र मुखिया यादव, कुबरा गांव निवासी स्वर्गीय यादव सहनी के पुत्र रत्नेश्वर सहनी तथा सिंगहा मलाही टोला निवासी दयानंद सहनी के पुत्र राकेश कुमार को पुलिस ने धर दबोचा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह तीनों उज्जैन लोहियार चंवर में थे। गुप्त सूचना के आधार पर वहां छापेमारी की गई और तीनों को वहां से गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही चोरी हुए बुलेट को भी बरामद कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूछताछ के बाद उन तीनों को जेल भेजा जाएगा। छापेमारी दल में थाना अध्यक्ष के साथ पीएसआई मनीष कुमार पीएसआई अविनाश कुमार पीएसआई संगीता कुमारी अनमोल यादव एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

# मारपीट कर वृद्ध महिला की हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

**बीएनएम। हरसिद्धि**

थाना क्षेत्र के बगहा गाँव में मारपीट कर एक वृद्ध महिला के हत्या के हत्या के मामले में हरसिद्धि पुलिस ने छापेमारी कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि दोनों हत्या के नामजद अभियुक्त बगहा निवासी किसुन पासवान के पुत्र चन्देश पासवान व दशई पासवान के पुत्र अम्बिका पासवान को गिरफ्तार किया गया है। जिसे पूछ ताछ के बाद सोमवार को जेल भेज दिया गया। सनद रहे कि शनिवार को भूमि विवाद के मामले में बगहा गाँव के एक वृद्ध महिला समा देवी की लाठी डंडा से पीट पीट कर हत्या कर दी गई थी। जिसमे परिजनो ने बारह लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया था। शेष अभियुक्तों के गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द ही सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

# बीडीओ के विदाई सह सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**बीएनएम। अरेराज।** अरेराज के ग्लैक्सी ग्रांड रेस्टोरेंट में बिदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर तत्कालीन बीडीओ अमित कुमार पांडेय का बिदाई तो नव पदस्थापित वीडियो आदित्य नारायण दीक्षित का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि अरेराज एसडीओ ने तत्कालीन बीडीओ के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्मयोगी व मृदुभाषी व कुशल व्यहार प्रिय थे। वही उपस्थित सभी मुखिया व पदाधिकारियो द्वारा तत्कालीन बीडीओ को अंगवस्त्र व पुष्पगुक्ष देकर उज्वल भविष्य के लिए महादेव से कामना किया गया।

# पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. विजयेश ने किया वृक्षारोपण

**बीएनएम। मुजफ्फरपुर** : सावन महीने के प्रथम सोमवारी के अवसर पर मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी डॉ. विजयेश ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान डॉ. विजयेश ने कहा कि वर्तमान समय में वातावरण में जो परिवर्तन हो रहा है, उससे बचाव के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। डॉ. विजयेश ने कहा, "आज के दौर में पर्यावरण की सुरक्षा एक प्रमुख चिंता का विषय है। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण हमारा वातावरण तेजी से बदल रहा है। ऐसे में हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित हो सके।" कार्यक्रम में स्थानीय लोग और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे। उन्होंने भी वृक्षारोपण कर इस अभियान में अपना योगदान दिया। डॉ. विजयेश ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और पेड़-पौधों का महत्व हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी उल्लेखित है। इसलिए इस पवित्र महीने में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण करें और पर्यावरण को संरक्षित रखने में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर कई पौधे लगाए गए जिनमें फलदार, छायादार और औषधीय पौधे शामिल थे। इस अभियान के माध्यम से डॉ. विजयेश ने न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, बल्कि समाज को वृक्षारोपण के महत्व के प्रति जागरूक भी किया। उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों ने भी नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

# केवाईसी के नाम पर उगाही, डीलर ने कहा- 'बिना पैसे के केवाईसी नहीं होगी... 50 रु. लगेंगे'

**बीएनएम। पताही**

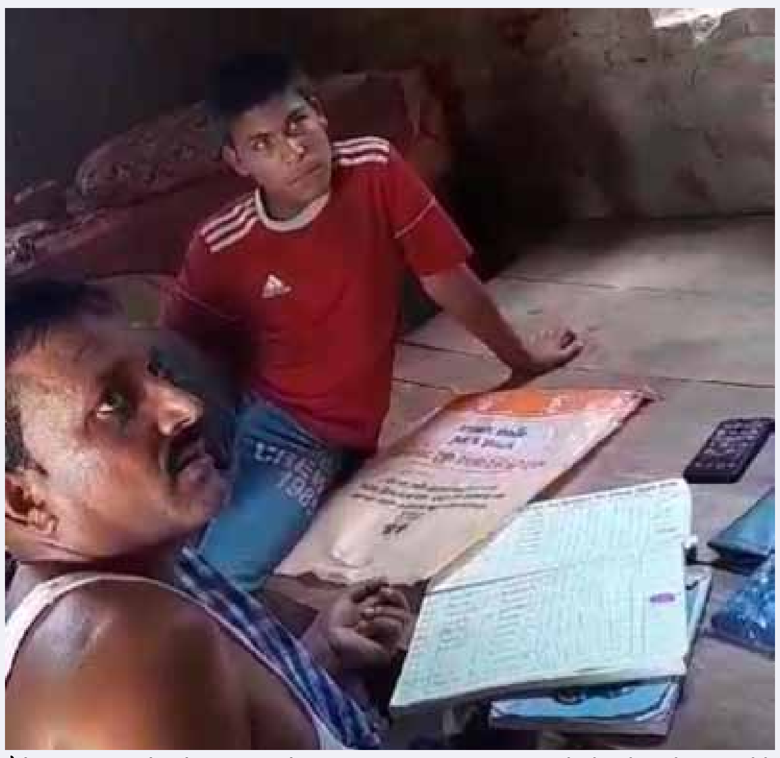

प्रखंड क्षेत्र के एक जन वितरण प्रणाली दुकानदार के बेटे का राशन कार्ड की केवाईसी करने के नाम पर पैसा मांगने का वीडियो सामने आया है। उक्त वीडियो में जन वितरण प्रणाली दुकानदार के पुत्र खुद के लिए पैसा तो मांग ही रहा है। साथ ही दूसरी तरफ कौन-कौन जन वितरण प्रणाली दुकानदार कितना पैसा मांग रहा और कहां-कहां पैसा लग रहा है, इसकी भी जानकारी दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद अधिकारी ने जांच करने की बात कही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, वीडियो में दिख रहे जन वितरण प्रणाली दुकानदार के पुत्र की पहचान पताही प्रखंड क्षेत्र में बड़ाशंकर पंचायत के कल्याणपुर गांव के जनवितरण प्रणाली के दुकानदार नंदकिशोर सिंह के पुत्र विजय सिंह के रूप में हुई है। युवक वीडियो में कह रहा है कि केवल 50 रुपये ही लेंगे, बिना पैसा आपका केवाईसी नहीं बनाएंगे। प्रखंड के सभी डीलर पैसे ले रहे हैं, इसलिए हम भी लेंगे। आप आधार कार्ड और वृद्धा पेंशन का केवाईसी कराने जाइएगा तो वहां भी पैसा लेगा, वहां तो आप कुछ नहीं बोलते हैं। जब तक पैसा नहीं दीजिएगा, तब तक आपका केवाईसी नहीं होगा। वहीं, जब ग्राहक द्वारा पूछा गया कि आखिर कैसे पता चलेगा कि मेरा केवाईसी हो गया है। इस सवाल पर जन वितरण प्रणाली दुकानदार के पुत्र ने कहा कि जैसे हम पॉस मशीन में एंट्री करेंगे, वैसे ही मशीन लिखेगी केवाईसी सक्सेसफुल...। आप इसका फोटो ले लीजिएगा। इस मामले के सामने आने के बाद डीलर और डीलर पुत्र ने फोन पर कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। पकड़ीदयाल एसडीओ से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि केवाईसी के नाम पर पैसे मांगने की जानकारी मिली है, एमओ से इसकी जांच करा रहे हैं। उसके बाद कोई कार्रवाई की जाएगी।

# चार वर्षीय बच्ची के दुष्कर्म मामले के आरोपी धराया

**बीएनएम। हरसिद्धि**

थाना क्षेत्र के बैरियाडीह पंचायत के धवई गांव के एक चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया है कि धवही गांव के विश्वनाथ यादव का पुत्र बृजकिशोर यादव (25वर्ष) ने दुष्कर्म किया है। पीड़ित लड़की उसी गांव के बच्ची को बहला फुसलाकर अपने घर मे ले गया और दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के दौरान बच्ची के रोने चिल्लाने पर अन्य ग्रामीण इकट्ठा हो कर दुष्कर्म के आरोपी को उसे रंगे हांथो पकड़ लिया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना हरसिद्धि पुलिस को दी। त्वरित कार्यवाही करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने दरोगा विभा भारती को घटना स्थल पर भेजा। जहां से आरोपित युवक को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। आवश्यक पूछताछ के बाद पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं पीड़ित बच्ची का मेडिकल जांच कराया गया है। इस मामले का अनुसंधान का जिम्मा महिला दरोगा विभा भारती को दिया गया है।

# इनर व्हील क्लब ने अन्य क्लबों के सहयोग से स्लम बस्ती के बच्चों के बीच बांटा पाठ्य सामग्री

**बीएनएम। संवाददाता। जीशान अख्तर**

**मुजफ्फरपुर** : आज मुजफ्फरपुर के इनरव्हील क्लब ने अन्य क्लब लिच्छवी, जागृति, पुष्पांजली, मैत्रेयी और सृजन के साथ मिलकर भगवानपुर के एक दलित बस्ती में सामाजिक सेवा के तहत 50 बच्चों के बीच स्कूल बैग, कॉपी, पेंसिल, टॉफी और बिस्किट का वितरण किया। इस अवसर पर क्लब की प्रेसिडेंट रूपा सिन्हा, आई.पी.पी. रीना सिंह, वाइस प्रेसिडेंट अंजना चौधरी, पूर्व प्रेसिडेंट पुष्पा गुप्ता, सुधा सिंह, आई.एस.ओ. अर्चना सिंह, डॉ. बेनु वर्तिका, जागृति क्लब की प्रेसिडेंट स्मृति रानी, सचिव माला, पूर्व प्रेसिडेंट मेनका गुप्ता, पुष्पांजली क्लब की प्रेसिडेंट प्रीति सिन्हा, लवली साहू, मैत्रेयी क्लब की प्रेसिडेंट निशा कुमारी, सुमिता वर्मा, और सृजन क्लब की प्रेसिडेंट नुपुर तथा वाइस प्रेसिडेंट रेखा वर्मा उपस्थित थीं। इस अवसर पर रूपा सिन्हा ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उनकी जरूरतों को पूरा करना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। रीना सिंह ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को प्रोत्साहन मिलता है और वे पढ़ाई में रुचि लेते हैं। अन्य क्लब के सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों के बीच खुशी का माहौल देखा गया। सभी क्लब सदस्य इस बात पर सहमत थे कि इस तरह की पहल से समाज के पिछड़े वर्गों के बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उनके भविष्य को बेहतर बनाना संभव है। इस कार्यक्रम ने बच्चों के साथ-साथ स्थानीय समुदाय में भी उत्साह और उमंग का माहौल पैदा किया।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

## अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकें? आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर आदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कभी भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए स्रोत से पानी अनवरत जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

# आपातकाल के कुछ अविदित तथ्य

एल.एस. हरदेनिया

आपातकाल के 50 वर्ष मनाते समय हम इस बात का ख्याल नहीं रखते हैं कि आपातकाल लागू करने का अधिकार संविधान में सरकार को दिया हुआ है। सरकार को तीन प्रकार के आपातकाल लागू करने का अधिकार है-पहला बाहरी, दूसरा आंतरिक और तीसरा वित्तीय। यदि हमारे ऊपर हमला हुआ है या हमने किसी पर हमला किया है तो उस स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार आपातकाल घोषित कर सकती है। देश के भीतर यदि अराजक स्थिति है, कानून और व्यवस्था पर नियंत्रण नहीं है, विद्रोह की स्थिति है तो भी केन्द्रीय सरकार को देश में आपातकाल लागू करने का अधिकार है। इसी तरह यदि वित्तीय स्थिति बहुत खराब है तो उस हालत में भी सरकार आपातकाल घोषित कर सकती है। प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरागाँधी ने सोच समझकर देश की आंतरिक स्थिति का मूल्यांकन कर आपातकाल लागू किया था। इस बात में संदेह नहीं कि उस समय देश अत्यधिक गंभीर स्थिति से गुजर रहा था। बांग्लादेश से संबंधित युद्ध जैसी स्थिति से निपटने के लिए हमारे देश के सभी प्रकार के साधन खतरे में पड़ गये थे। कीमतें बढ़ रही थीं, बेकारी चरम पर थी। यहाँ तक कि सरकार अपने वित्तीय उत्तरदायित्व को भी नहीं निभा पा रही थी। इस तरह की स्थितियों के बीच में सारी गड़बड़ी के लिए विरोधी लोग इंदिरा गाँधी को दोषी मान रहे थे। इसके अतिरिक्त देश के प्रतिपक्ष के नेता पुलिस और आर्मी को यह परामर्श दे रहे थे कि वे इंदिरा गाँधी द्वारा जारी किये गये आदेशों का पालन न करें, खासकर कि यदि आदेश अनैतिक है। इस तरह का आह्वान जयप्रकाश नारायण ने स्वयं किया। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एक विदेशी पत्रकार ने कहा था कि सच पूछा जाये तो आपातकाल की इबारत जयप्रकाश और श्रीमती गाँधी ने लिखी थी। इसके पूर्व जयप्रकाश नारायण और उनके अनुयायियों ने सम्पूर्ण क्रांति की घोषणा की थी कि यह प्रयास किया गया था कि जयप्रकाश और इंदिरा गाँधी के बीच समझौता हो जाये। इस प्रयास में जयप्रकाश के सहयोगी थे- चन्द्रशेखर, कृष्णकांत और प्रोफेसर पी.एन. धर। दूसरी तरफ कम्युनिस्ट पार्टी, नंदनी सटपथी, के.पी. गणेश, अरूणा आसिफ अली और एदत्य नारायण इस राय के थे कि किसी भी हालत में समझौता संभव नहीं है और श्रीमती गाँधी को आपातकाल लगाने में देर नहीं करना चाहिए क्योंकि कुछ लोग सम्पूर्ण क्रांति के माध्यम से देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में ही श्रीमती गाँधी ने सम्पूर्ण क्रांति का मुकाबला करने का फैसला कर लिया। सबसे पहला मुकाबला बिहार में कम्युनिस्ट पार्टी ने किया। इस बीच नई दिल्ली तक खबरें पहुंचने लगीं कि कुछ तत्व भारतीय महाद्वीप के नेताओं को खत्म करना चाहते हैं क्योंकि वे पाकिस्तान के टूटने से और बांग्लादेश के निर्माण से काफी नाराज़ हैं। जिन नेताओं को शारीरिक रूप से खत्म करना चाहते थे उनमें इंदिरा गांधी, शेख मुजिबुररहमान और पाकिस्तान के जुलफिकार अली भुट्टो आदि शामिल थे। इसी बीच इस तरह की खबर क्यूबा की कम्युनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति से भी आई। इस संदेश पर वहां के राष्ट्रपति फिडेल क्रेस्ट्रो ने स्वयं अपने हस्ताक्षर करके भेजा था। वे और पेलेस्टिइन के यासर अराफात ने इंदिरा गाँधी को उनके विरूद्ध चल रहे षड़यंत्र से अवगत कराया। इसी बीच इलाहाबाद हाइकोर्ट का इंदिरा गाँधी की लोकसभा की सदस्यता को रद्द करते हुए फैसला आ गया। इस फैसले ने इंदिरा गाँधी के विरोधियों को उनका त्यागपत्र मांगने का स्वर्ण अवसर दे दिया। एक समय ऐसाभी आया जब इंदिरा गाँधी स्वयं त्यागपत्र देने का सोच रही थीं। परंतु ऐसे अनेक लोग थे जिन्होंने उनको चेतावनी दी कि यदि वे ऐसा करती हैं तो इससे भारत के स्थायित्व पर प्रभाव पड़ेगा और ऐसे लोगों की हिम्मत बढ़ जायेगी जो भारत राष्ट्र का खात्मा करना चाहते हैं। इस तरह की खबरों पर अपनी राय प्रगट करते हुए इंदिरा गाँधी ने कहा कि मुझे इस बात की कतई चिंता नहीं है कि कुछ लोग व्यक्तिगत रूप्प से मुझे हानि पहुंचाना चाहते हैं परंतु मुझे इस बात की चिंता जरूर है कि वे भारत को ही खत्म करना चाहते हैं। वह भारत जिसका निर्माण हमने बड़ी मुश्किलों के बीच किया है। चारों तरफ के दबाव के बीच अंततः इंदिरा जी ने पूरे देश पर आपातकाल लागू कर दिया। बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां होने लगीं। जो लोग गिरफ्तार किये गये उनमें जयप्रकाश नारायण, एल.के. आडवाणी, मोरार जी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, राजमाता विजयाराजे सिंधिया और जयपुर की महारानी। हर राज्य में हजारों लोग गिरफ्तार किये गये। राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच में एक तरह की प्रतियोगिता थी कि कौन ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तारियाँ करवा रहा है। इस तरह के मुख्यमंत्रियों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पी.सी. सेठी शामिल थे। वे कलेक्टरों को ऐसी लोगों की लंबी सूचियाँ भेज रहे थे जिन्हें वे गिरफ्तार करवाना जरूरी मानते थे। लगभग सभी कलेक्टर उनके आदेश का पालन कर रहे थे। परंतु दो कलेक्टर ऐसे थे जिन्होंने उन्हें यहसूचित किया कि उनकी सूची में जो व्यक्ति शामिल हैं उनमें से एक भी ऐसा नहीं है जिसे गिरफ्तार करना उचित होगा। ये दो कलेक्टर थे सतना के के.के चक्रवर्ती और रीवा के चतुर्वेदी (उनका पूरा नाम याद नहीं है)। दोनों को सेठी जी के गुस्से का सामना करना पड़ा। इन गिरफ्तारियां के प्रति समाज में किसी तरह का आक्रोश नहीं था। सच पूछा जाये तो नेताओं की गिरफ्तारी के बाद संपूर्ण क्रांति का आंदोलन एक तरह से ठप्प हो गया। इसी बीच यह भी सुना गया कि जयप्रकाश ने इंदिरा गांधी से संपर्क करने का प्रयास किया। उन्होंने यह इच्छा प्रगट की कि उन्हें रिहा कर दिया जाये ताकि वे रचनात्मक काम कर सकें। इसी तरह आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने इंदिरा जी को एक लंबी चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी के माध्यम से उन्होंने लगभग क्षमा मांगी और इस बात से इंकार किया कि उनका जयप्रकाश जी के आंदोलन से कुछ लेना-देना है। इस तरह की स्थितियों के बीच यह अनुभव किया जाने लगा कि आपातकाल की जरूरत नहीं है (इस तरह का दावा कम्युनिस्ट नेता मोहित सेन की किताब में किया गया है, सेन की पुस्तक के 352 पृष्ठ पर इसका उल्लेख है और उसके साथ ही डी.आर. गोयल की किताब में भी इसका उल्लेख है)। आपातकाल के कुछ सकारात्मक नतीजे भी निकले जैसे-ट्रेनें समय पर चलने लगीं, कर्मचारी समय पर दफ्तरों में आने लगे, कीमतें नियंत्रण में आ गईं और कानून व्यवस्था की स्थिति भी नियंत्रण में आ गई। परतु इसी बीच इंदिरा गाँधी के दूसरे बेटे संजय गाँधी का प्रभाव बढ़ने लगा। वो लगभग एक अत्यधिक संवैधानिक दबदबे के रूप में प्रकट हुए। वे समय-समय पर केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों को आदेश जारी करने लगे और ऐसा लगने लगा कि उनके आदेश का अर्थ इंदिरा जी द्वारा जारी किया गया आदेश है। यह कितना सच है और कितना झूठ परंतु यह बात स्पष्ट थी कि उनके गलत आदेशों का इंदिरा जी ने सार्वजनिक विरोध नहीं किया। संजय गाँधी की सत्ता में जबरदस्त इजाफा होने लगा। कांग्रेस के नेताओं के साथ उनका व्यवहारसम्मान पूर्वक नहीं रहा। इस संबंध में मैं दो उदाहरण देना चाहूंगा। जानीमानी नैत्री श्रीमती सुभद्रा जोशी जो इंदिरा गाँधी की मित्र थीं और जिन्हें एक समय महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का स्नेह प्राप्त था। श्रीमती जोशी ने इंदिरा जी को सलाह दी कि जो प्रचार सामग्री देश में भेजी जा रही हैं वे प्रधानमंत्री निवास से न भेजी जाये। ऐसा उचित प्रतीत नहीं हो रहा है। इंदिरा जी ने सुभद्रा जी को सलाह दी कि वह यह बात संजय गांधी को बता दें। जब सुभद्रा जी ने संजय को यह परामर्श दिया तो उन्होंने सुभद्रा जी से कहा कि ''आप इन मामलों से दूर रहिये और दखल न दें।'' जब सुभद्रा जी ने संजय गांधी के उत्तर से इंदिरा जी को अवगत कराया तो इंदिरा जी ने कुछ नहीं कहा। उसके बाद सुभद्रा जी ने इंदिरा जी से मुलाकातें बंद कर दीं। एक और घटना जो मुझे याद आ रही है-संजय मध्यप्रदेश के दौरे पर आए हुए थे। इसी दरम्यान वे मंदसौर जाना चाहते थे। मंदसौर के एक बहुत ही सम्मानीय नेता जाजू उस समय भोपाल में थे। संजय से कहा गया कि वे उन्हें अपने साथ ले जायें। संजय बहुत ज्यादा स्पीड से वाहन चला रहे थे। इस पर जाजू जी ने संजय को सलाह दी कि वे ज़रा कम स्पीड से वाहन चलायें। यह बात संजय को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने वाहन रोककर जाजू को उतर जाने को कहा। जहाँ जाजू को उतारा गया वह सूनसान जंगल का इलाका था। भोपाल में उनकी यात्रा के दौरान वे एक मुसलमान बुद्धिजीवियों की सभा में गये। अपने भाषण के पूर्व उन्होंने टिप्पणी की कि आप मुसलमान लोग दाढ़ी क्यां बढ़ाते हैं? इस पर यह सवाल मुस्लिम भाईयों को अच्छा नहीं लगा। उनका जबरदस्त परिवार नियोजन का कार्यक्रम लोगों को अच्छा नहीं लगा। इसी तरह झुग्गी बस्ती की सफाई के आदेश में इंदिरा जी के कार्यक्रम की लोकप्रियता कम करने में बहुत सहायक हुआ। एक दूसरा आदेश जिसने अत्यधिक आपातकाल को बदनाम किया था मीडिया के ऊपर सेंसर लगाना। जिन्हें सेंसर लगाने का अधिकार दिया गया था वे मीडिया से लगभग दुर्व्यवहार करते थे। छोटी-छोटी से बातों में सेंसर लगाया जाता था। जैसे-एक दिन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के हवाईजहाज को तकनीकी खामियों के कारण उतारना पड़ा। अखबारों को बोला गया कि यह खबर नहीं छापना। एक दिन मुझे केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री व्ही.सी शुक्ला का फोन आया। वे चाहते थे कि मैं शीघ्र दिल्ली पहुंचूं, किसलिए उन्होंने मुझे नहीं बताया। उन्होंने मुझसे यह भी कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे से मैं सीधे उनके निवास स्थान पर पहुंचू। पहुंचते ही उन्होंने मुझसे जानना चाहा कि ''क्या तुम मैनस्ट्रीम में लिखते हो मैंने कहा कि हां।'' इस पर उन्होंने कहा कि मैं उसके संपादक से मिलना चाहता हूँ तुम निखिल चक्रवर्त से संपर्क करो। इस पर मैंने निखिल जी को फोन लगाया और उनको बताया कि शुक्ला जी आपसे मिलना चाहते हैं। क्या आप आयेंगे हम कार भेज रहे हैं? उनका जवाब था कि क्या वो मुझसे मिलना चाहते हैं मुझे तो उनसे मिलने की कोई इच्छा नहीं है। इसके बाद मंत्री ने तय किया कि हम ही उनके दफ्तर जायें। ज्योंहि उनके दफ्तर पहुंचे निखिल दादा ने उनसे पूछा कि शुक्ला जी आप किस उद्देश्य से यहां आये हैं।

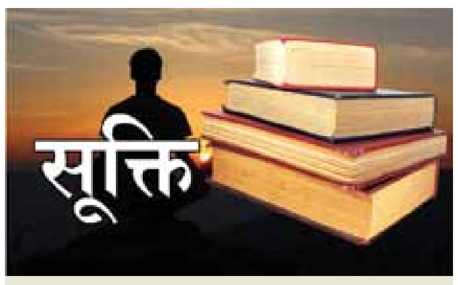


नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं।

- महर्षि वाल्मीकि

हमे हमेसा यह याद रखना चाहिए की ख़ुशी जीवन की यात्रा का एक तरीका है न की जीवन की मंजिल।

- रॉय गुडमैन

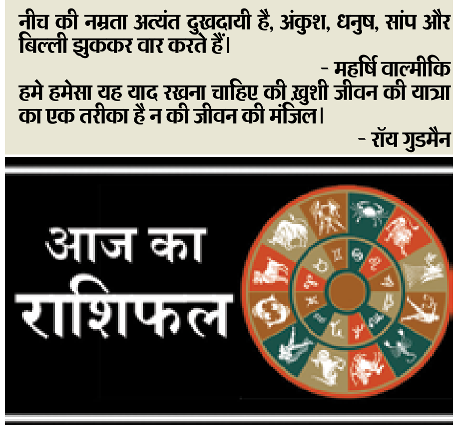


शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि दोइज, मंगलवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, आयुष्य मान योगे, विव करणे, भद्रा रा. 11/20 तक भौम क्रत दुर्गा यात्रा गौरी पूजा हनुमान दर्शन तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

**आज जन्म लिए बालक का फल.......**

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, नेता, विधायक एवं राजमंत्री, उत्तम पद-पोस्ट वाला, धनी होगा।

मेष राशि - मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य-व्यवसाय गति उत्तम होगी, समय का ध्यान रखें।
वृष राशि - धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा प्राप्त होगी, समय को ध्यान में रखकर कार्य करें।
मिथुन राशि - इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, रुके कार्य बनेंगे।
कर्क राशि - सामाजिक मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।
सिंह राशि - अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, समय स्थिति का लाभ लें, कार्य कुशलता से संतोष होगा।
कन्या राशि - अधिकारियों से सहयोग मिलेगा, कार्य कुशलता से हर्ष, कार्यों को समय पर निपटाने का प्रयास करें।
तुला राशि - दैनिक व्यवसाय गति उत्तम तथा व्यवसायिक चिन्ता की स्थिति बनेगी, धैर्यपूर्वक कार्य करें।
वृश्चिक राशि - कार्यवृत्ति में सुधार होगा, असमंजस की स्थिति रहेगी, सफलता के लिय समय पर कार्य करें।
धनु राशि - स्थिति अनियंत्रित रहे तथा नियंत्रण करना आवश्यक होगा, समझदारी से निर्णय लें।
मकर राशि - मानसिक चिन्ता एवं स्वाभाव में मानसिक उद्विग्नता अवश्य रहेगी, धैर्य रखें।
कुंभ राशि - योजनायें फलीभूत होंगी, विघटनकारी तत्व आपको परेशान करेंगे, सावधान रहें।
मीन राशि - मनोबल उत्साहवर्धक होगा तथा कार्य कुशलता से संतोष होगा, समय का ध्यान रखें।

# बुलडोजर संस्कृति पर पुर्नविचार जरूरी

अजय दीक्षित

भाजपा में आंतरिक क्या अन्तर्विरोध है, यह प्रकट नहीं हो तो कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों के विवाद जनता के सामने जल्दी आ जाते हैं और टी.वी. चैनल उन्हें बड़ा चढ़ा कर दिखलाते हैं । हाल ही में दिल्ली के कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा ज्वाइन कर ली । वे एक बार पहले भी भाजपा में जा चुके थे । संजय निरुपम शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में आये थे, अब वे राहुल गांधी से विरोध के कारण पुनः शिंदे गुट की शिवसेना में चले गये । असम के वर्तमान मुख्यमंत्री पहले कांग्रेस के अन्तरंगों में से थे । उनकी पहुंच सीधे राहुल गांधी के अन्दर के कमरे तक थी । आप की पार्टी की ओर से दिल्ली महिला आयोग की स्वाति मालीवाल से विवाद कोर्ट तक पहुंच चुका है । शाजिया इल्मी आप पार्टी की ओर से लोकसभा का चुनाव गाजियाबाद से लड़ चुकी हैं । कुमार विश्वास, आशुतोष बगैरा पूर्व आम आदमी पार्टी में रह चुके हैं । सपा के एक पूर्व प्रवक्ता आजकल भाजपा का गुणगान करते हैं । केवल आशुतोष को छोड़कर अन्य सभी पार्टी बदलने वाले अपनी पूर्व पार्टी को कोसते हैं । आध्यात्म और नैतिक दृष्टि से यह उचित नहीं है । सम्बन्धों में दरार आती है, पर वह आम जनता तक नहीं पहुंचनी चाहिए । तलाक के कछ मामलों को छोड़कर शेष में पति-पत्नी के बीच पिछले जीवनको लेकर बहुत-कुछ बुरा भला कहा जाता है । भाजपा का आंतरिक क्लेश, अच्छा है, बाहर प्रकट नहीं होता । इसी से उस पर लिखना नैतिक दृष्टि से उचित नहीं होगा । हां योगी जी की बुलडोजर कार्यवाही अब आम हो गई है । अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसे निभा रहे हैं । असल में बुलडोजर से किसी का घर तोड़ना एक प्रकार का दण्ड है । प्रजातंत्र में तीन स्तंभ होते हैं -- कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका । दण्ड देने का अधिकार केवल न्यायपालिका के पास होता है । अब तो बात-बात पर बुलडोजर चलता है । कहते हैं यह मकान सरकारी जमीन पर बना है, या नगर पालिका से नक्शा पास नहीं था । पूरी बस्ती ही गैर-कानूनी है । अभी पिछले दिनों पूरा नगर ही उजाड़ दिया गया ?। असल में इसके लिए न्यायालय का आदेश होना चाहिए । पर शायद यश और ख्याति बटोरने के लिए बुलडोजर चलता है । उत्तर प्रदेश में तो ऐसे उदाहरण भी हैं कि मकान पत्नी के नाम पर है परन्तु पति के किसी कार्यवाही के कारण मकान ध्वस्त कर दिया जाता है । रेलवे की पटरी के पास बहुत सी सरकारी जमीन पर लोगों ने कब्जा किया हुआ है । आखिर ऐसा क्यों होता है । हम कहते हैं कि हम आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था हैं और शीघ्र ही तीसरी अर्थव्यवस्था हो जायेंगे --रूस और अमरीका के बाद । परन्तु फिर प्रति व्यक्ति आय क्यों घट रही है? क्या कोई सरकारी जमीन पर कब्जा करता है । कार्यपालिका क्या करती है? क्यों नहीं सरकारी जमीन पर पहली ईंट रखते समय ही उसे क्यों नहीं रोका जाता ? अब तो मंत्रीगण और क्षेत्र के विधायक भी उनके इलाके में हो रहे कार्यों का निरीक्षण करते हैं । विधायक कलेक्टर को भी धमकाने लगते हैं । छोटे अफसरों की तो बात ही छोड़ दो । तहसीलदार भी अब अस्पताल का निरीक्षण करके सी.एम.ओ. को धमकाते हैं । कोई मीटिंग में देर से पहुंचा तो तत्काल उसे सस्पेंड कर दिया जाता है । जब कोई मकान बनता है तो उसमें देश का सामान लगता है । लकड़ी, कांच, सीमेंट, रेत, ईंट गिट्टी बगैरा । यह बुलडोजर प्रकृति इस प्रकार देश के संसाधनों का दुरपयोग ही है । अच्छा हो मुख्यमंत्री या मंत्री गण अपनी जिम्मेदारी लें । अभी हाथरस काण्ड में कुछ निचले अधिकारी सस्पेंड हुए हैं । आखिर में तो जिम्मेदारी विधायिका की है जो नियुक्ति करती है । दण्ड का विधान न्यायपालिका के पास ही रहना चाहिए । आप बुलडोजर संस्कृति से अखबारों की सुर्खियां बटोर सकते हैं, परन्तु यह गलत है । फिर देश के संसाधनों का नुकसान होता है । कभी भारत में सीमेंट मजिस्ट्रेट की आज्ञा से एक बोरी मिलता था । आज भी लोहा, सीमेंट, खाद आदि की कमी है । प्रधानमंत्री को तत्काल इस पर ध्यान देकर कोई नीति बनानी चाहिए । हमारे प्रधानमंत्री जरूर इस पर ध्यान दे रहे होंगे क्योंकि वे देश के संसाधनों के उचित प्रयोग के बारे में अनेक बार का कह चुके हैं ।

# अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, जन्म से आजाद, कर्म से भी आजाद

मुकेश तिवारी

जन्म से आजाद कर्म से आजाद और मरते दम तक आजाद जिन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों के पैर थर्रा दिए। उन्होंने मध्य प्रदेश के छोटे से जिले अलीराजपुर (पूर्व में झाबुआ जिले का हिस्सा रहे) में जन्म लिया यह मध्यप्रदेश के लिए फख्र की बात है। चंद्रशेखर आजाद का जन्म पंडित सीताराम तिवारी के यहां भांवरा में 23 जुलाई 1906को हुआ था। अंग्रेजों के विरुद्ध बिगूल फूंकने वाले आजाद का बचपन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में भील बालकों के मध्य गुजरा। तीर कमान में पारंगत भील बालकों के सानिध्य ने उन्हें भी निशानेबाजी में निपुण बना दिया। उस वक्त भंवरा ग्राम अलीराजपुर स्टेट में अंग्रेजी रेजिडेंसी के अंतर्गत आता था। आजाद ने अपने जहन में फिरंगियों से अपने वतन को आजादी दिलाने की ठान ली। झोपड़ी में रहने वाले विलक्षण प्रतिभा के धनी आजाद की जहन में देश को फ्रैंगियों से मुक्त करने का जज्बा पूर्ण तौर पर जाग उठा था। पढ़ाई के दौरान ही 1919 में जलियांवाला कांड ने देश के नौजवानों को हिलाकर रख दिया था। महात्मा गांधी जी ने 1921 में असहयोग आंदोलन का शंखनाद किया तो छात्रों के जहन में नयाजोश उत्पन्न हुआ और वे सभी इस आंदोलन में शामिल हो गए। चंद्रशेखर आजाद भी पूरे जोश में थे। उस जमाने को देखते हुए यह बड़ा क्रांतिकारी कदम था। छात्रों के जत्थे के साथ आजाद की गिरफ्तारी हुई और उन्हें 15 बेंतों की सजा दी गई। ब्रिटिश हुकूमत के तौर तरीकों से वाकिफ आजाद ने प्रत्येक बेंत पर भारत माता की जय का जय घोष किया। आजादी के आंदोलन के दौरान बनारस क्रांतिकारियों का गढ़ था। विलक्षण प्रतिभा और अदम्य साहस के धनी चंद्रशेखर आजाद सिर्फ 16 वर्ष की आयु में ही नामचीन क्रांतिकारी मन्मथ नाथ गुप्त और प्रणमेश चटर्जी के संपर्क में आ गए थे। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का सदस्य बनते ही उनका संपर्क राम प्रसाद बिस्मिल से हो गया। फिरंगियों से लड़ने की योजना बनी और राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 9 अगस्त1925 काकोरी कांड हुआ और वे सब भूमिगत हो गए। एक वक्त ऐसा भी आया कि असहयोग आंदोलन के दौरान जब फरवरी 1922 को चोरी चोरा की घटना के बाद बिना किसी विचार विमर्श किए महात्मा गांधी ने अचानक आंदोलन वापस ले लिया तो देश की बहुत सारे नौजवानों की तरह चंद्रशेखर आजाद का भी कांग्रेस से मोह भंग हो गया और राम प्रसाद बिस्मिल। शचिंद्रनाथ सान्याल। योगेश चंद्र चटर्जी 1924 में उत्तर भारत के क्रांतिकारियों को लेकर एक दल हिंदुस्तानी प्रजातांत्रिक संघ का गठन किया। आजाद भी एच आर ए में शामिल हो गए। इस संगठन ने जब धन इकट्ठ करने के लिए गांव के चौधरी जमीदारों और सेठो के घर में डकैती डालने का निर्णय किया। राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में डकैती डाली गई डकैती के दौरान एक महिला ने आजाद का पिस्तौल छीन लिया लेकिन बलशाली होने के बावजूद भी आजाद ने अपने उसूलों के कारण उस महिला पर हाथ नहीं उठाया। डकैती के दौरान क्रांतिकारी दल के सदस्यों पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। बिस्मिल ने ग्रामीणों के हाथों और अपमानित होने की वजाए मकान के भीतर घुसकर महिला से पिस्तौल वापस छिन ली और आजाद को हडकते हुए खींचकर घर से बाहर ले आए। इस घटना के पश्चात एच आर ए के सदस्यों ने सुरक्षा की प्रतिष्ठानों को ही लूटने का निर्णय लिया 1 जनवरी 1925 को एच आर ए ने हिंदुस्तान भर में अपना पर्चा द रिवोल्यूशनी क्रांतिकारी बांटा जिसमें दल की नीतियों का खुलासा किया गया था। इस पर्चे में स्वतंत्रता की अलख के बीज को अंकुरित करने के लिए सशस्त्र क्रांति की विस्तार से चर्चा की गई थी। पंपलेट में लेखक के रूप में विजय सिंह का छद्म नाम दिया गया था। शचींद्रनाथ नाथ सान्याल। उक्त बहुचर्चित पर्चे को बंगाल में पोस्ट करने जा रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। एच आर ए के गठन के दिन से ही बिस्मिल, सान्याल और योगेश चंद्र चटर्जी में इस संगठन के उद्देश्य को लेकर गहरे मतभेद थे। एच आर ए की नीति के मुताबिक 9 अगस्त 1925 को काकोरी कांड को मूल रूप दिया गया। हालांकि शाहजहांपुर में इस योजना के विचार बारे में विचार विमर्श करने के लिए जब बैठक आउट की गई तो आसिफ उल्ला खान ने उसकी जमकर विरोध किया। उनका दो-टूक शब्दों में कहना था कि इससे प्रशासन उनके दल को जड़ से उखाड़ने पर तुल जाएगा और दुर्भाग्य से ऐसा हुआ भी। ब्रिटिश हुकूमत चंद्रशेखर आजाद को तो गिरफ्तार नहीं कर सकी। लेकिन ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ हुंकार भरने वाले राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह को 19 अगस्त 1927 को तथा उसे दो दिवस पूर्व राजेन्द्रनाथ लाहाडी को 17 दिसंबर 2027 को फांसी पर लटका कर मार दिया गया। प्रमुख कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिए जाने से एच आर लगभग निष्क्रिय हो गया रामप्रसाद विसिमल और योगेश चटर्जी को फांसी पर लटकाए जाने से पूर्व छुड़ाने की योजना भी बनी। इस योजना में चंद्रशेखर आजाद के अतिरिक्त भगत सिंह को भी शामिल किया गया। लेकिन उक्त योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी। चार क्रांतिकारियों को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी और 16 को कड़ी कैद की सजा से बौखलाए चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर भारत के क्रांतिकारियों को एक जुट करके 8 सितंबर 19 28 को हिंदुस्तान की राजधानी दिल्ली में एक गुप्त सभा का आयोजन किया। इस सभा में भगत सिंह को एच आर ए का प्रचार प्रमुख प्रमुख बनाया गया। साथ ही यह भी तय किया गया कि हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन किया जाए। चंद्रशेखर आजाद ने सेना प्रमुख कमांडर इन के की बागडोर संभाली। इस दल के गठन के पश्चात एक नया लक्ष्य निर्धारित किया गया। हमारी लड़ाई आखिरी फैसला होने तक जारी रहेगा,और वह फैसला है जीत या मौत। देश की खातिर मर मिटने को तैयार रहने वाले आजाद के प्रशंसकों में पंडित मोतीलाल नेहरू, पुरुषोत्तम दास जैसी हस्ती शामिल थी। शालिग्राम शुक्ल को 1 दिसंबर 1930 को पुलिस ने आजाद से मिलने मिलने जाते वक्त शहीद कर दिया। एच आर ए द्वारा सांडर्स हत्याकांड और दिल्ली असेंबली बम कांड में फांसी की सजा पाए तीनों अभियुक्त भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने ब्रिटिश हुकूमत के आगे अपील करने से इनकार कर दिया। अन्य सजायाआफता अभियुक्तो मे से सिर्फ तीन ने ही प्रिवी कौनिसल में अपील की 11 फरवरी 1931 को लंदन में प्रिवी काउंसिल में अपील की सुनवाई हुई। इन अभियुक्तों की ओर से एडवोकेट प्रिंट ने बहस की अनुमति चाही थी। लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली और बहस सुने बिना ही अपील खारिज कर दी गई। उस समय आजाद ने मृत्युदंड पाए तीनों प्रमुख क्रांतिकारियों की सजा कम करने का भरसक प्रयास किया। बे उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल में जाकर गणेश शंकर विद्यार्थी से मिले। विद्यार्थी से विचार विमर्श करने के पश्चात वे इलाहाबाद में जवाहरलाल नेहरू से मिलने उनके आवास पर गए। आजाद ने नेहरू जी से अनुरोध किया कि वह गांधी जी पर लॉर्ड एवं से इन तीनों क्रांतिकारियों को फांसी को उम्र कैद में बदलवाने के लिए जोर डालें। नेहरू जी ने जब आजाद के अनुरोध को ठुकरा दिया तो आजाद नाराज होकर आनंद भवन से चले आए और साइकिल पर सवार होकर अल्फ्रेड पार्क में अपने परम मित्र सुखदेव राज से विचार विमर्श करने चले आए इसी बीच सीआईडी का एसएसपी वायर वहां कर्नलगंज थाने की पुलिस को लेकर आ गया। दोनों ओर से जमकर गोलीबारी हुई। जिसमें आजाद गोली लगने से 27 फरवरी 1931 को शहीद हो गए।

## शब्द पहेली - 8197

**बाएँ से दाएँ**

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक(अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

**ऊपर से नीचे**

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

**शब्द पहेली -8196 का हल**

Jagrutidaur.com, Bangalore

## सूडोकू बवाल- 7135

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 9 | | | 7 | 4 | | 8 | |
| | 8 | 5 | 6 | 2 | | | 4 | 9 |
| 7 | | | | | | 6 | | 3 |
| | 3 | 9 | 5 | | | | 1 | |
| 1 | | | | 8 | | | | 5 |
| | 6 | | | | 2 | 9 | 3 | |
| 4 | | 7 | | | | | | 2 |
| 8 | 2 | | | 5 | 9 | 1 | 7 | |
| | 1 | | 2 | 3 | | | 5 | 8 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

**सूडोकू बवाल - 7134 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 3 | 9 | 1 | 7 | 2 | 8 | 4 |
| 9 | 1 | 8 | 2 | 6 | 4 | 3 | 7 | 5 |
| 7 | 4 | 2 | 5 | 3 | 8 | 1 | 9 | 6 |
| 3 | 7 | 1 | 6 | 9 | 2 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 6 | 9 | 1 | 4 | 5 | 7 | 2 | 3 |
| 5 | 2 | 4 | 8 | 7 | 3 | 9 | 6 | 1 |
| 2 | 9 | 5 | 4 | 8 | 1 | 6 | 3 | 7 |
| 4 | 3 | 6 | 7 | 5 | 9 | 8 | 1 | 2 |
| 1 | 8 | 7 | 3 | 2 | 6 | 5 | 4 | 9 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# बॉडी लैंग्वेज बन सकता है इंटरव्यू में सिलेक्शन न होने का कारण

**जॉब के लिए इंटरव्यू के दौरान लोग बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी कई गलतियां करते हैं। जिसके कारण इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी उनका सिलेक्शन नहीं होता है। यहां हम आपको सही बॉडी लैंग्वेज के साथ इंटरव्यू क्रैक करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। अच्छी जॉब की चाहत रखने वाले लोग काफी समय पहले से ही इंटरव्यू की तैयारियां शुरु कर देते हैं। इंटरव्यू से पहले लोग तमाम सवालों की तैयारियां भी करते हैं। इस दौरान लोग इंटरव्यू में अच्छा इंप्रेशन देने के लिए आटउफिट्स को लेकर भी कंफ्यूज हो जाते हैं। इन सारी तैयारियों के अलावा कुछ जरूरी बातें हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए।**

कई बार इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी आप सिलेक्शन से चूक जाते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज बहुत मायने रखता है। आज हम आपको उन बॉडी लैग्वेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इंटरव्यू के दौरान बिलकुल भी नहीं करनी चाहिए।

## ऐसे करें शुरूआत

इंटरव्यू में आपके उठने-बैठने का तरीका, हाव-भाव, आपके हाथ के एक्शन आदि के अलावा आपकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया जाता है। इंटरव्यू के लिए जाने के दौरान सामने वाले से हाथ मिलाने के दौरान इस बात का खास ध्यान रखे कि हाथ न तो बहुत हल्के से और न बहुत तेजी से मिलाएं। यदि आपके हाथ गीले हों तो उन्हें पोछकर साफ कर लें। वहीं इंटरव्यू के दौरान सामने वाले से आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। वहीं हैंडशेक करने के दौरान गर्मजोशी से मिलें। आंखें झुकाकर या कहीं और देखते हुए हैंडशेक करने की गलती न करें।

## स्ट्रेट होकर बैठें

इंटरव्यू के दौरान आपको स्ट्रेट होकर बैठना चाहिए। इसके अलावा अगर आप इंटरव्यू लेने वाले के सामने क्रास लेग करके बैठते हैं तो यह आपके इंप्रेशन को खराब कर सकता है। साथ ही यह सामने वाले पर्सन पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इसलिए इंटरव्यू के दौरान इस तरह की गलती किए जाने से बचना चाहिए। बता दें कि स्ट्रेट पोस्चर यानि की एकदम सीधे होकर बैठने से आपका सामने वाले पर डिफेंसिव इंप्रेशन जाता है। ढीला-ढाला पोस्चर आपकी खराब बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।

## क्रॉस आर्म्स

बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी एक क्रॉस आर्म्स होती है। इंटरव्यू देते समय हाथों को सीधे अपनी थाई पर रखकर बैठें। इस दौरान न तो हाथों को क्रॉस करें और न ही हाथ जेब में डालें। अगर आप हाथ क्रॉस करके बैठते हैं तो यह आपके एरोगेंस को दिखाता है। जिससे इंटरव्यू में खराब इंप्रेशन पड़ता है। कई लोग टेबल के ऊपर हाथ रखकर बात करते हैं। ऐसा भी करने से बचना चाहिए। बता दें कि जब तक हाथ से कोई बहुत जरूरी बात न समझानी हो, तब तक हाथों को इधर-उधर न करें। इसके अलावा बार-बार अपने हाथों को बालों पर न फिराएं।

## फेस टच

कई लोगों की बार-बार अपने चेहरे, बालों या कपड़ों को टच करने की आदत होती है। यदि आप किसी इंटरव्यू के दौरान भी ऐसी हरकत करतें है, तो यह सामने वाले को आपके खराब इंप्रेशन को दिखाता है। क्योंकि ये आदतें नेगेटिव बॉडी लैंग्वेज जेस्चर में आती हैं। इसलिए इंटरव्यू के दौरान भूलकर भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। आपकी बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी इस तरह की कई गलतियां इंटरव्यू में असफल होने का कारण भी बन सकती हैं।

# बीटेक इन इलेक्ट्रिकल में ऐसे बनाएं करियर मिलेगा शानदार पैकेज

**जिन छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। वह इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें आपकी रुचि के हिसाब से कई कोर्स मिल जाएंगे। हालांकि इन कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है।**

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं जो स्टूडेंट 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके लिए इंजीनियरिंग में ढेरों स्पेशलाइजड कोर्स है। आपको बता दें कि इंजीनियरिंग में 2 प्रकार की बैचलर डिग्री होती है। जिनमें से एक बीई, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दूसरा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीटेक है। वहीं जिन स्टूडेंट्स को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। उनके करियर के लिए इंजीनियरिंग का ऑप्शन सबसे बेस्ट है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बीटेक इंलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देंगे। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की एक ब्रांच इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस है। जिसके जरिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को विकसित करने का काम किया जाता है। इस सब्जेक्ट के जरिए दोनों विषयों को अलग-अलग किया गया है। ताकि जिस स्टूडेंट को जिस सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट हो, वह उसमें अपना करियर बना सके। बता दें कि इस कोर्स को करने के बाद आप एक आकर्षक सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं।

## कोर्स

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स 4 साल का होता है। 12वीं पास स्टूडेंड संबंधित सब्जेक्ट में डिप्लोमा कर सकते हैं। हालांकि इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट को परीक्षा देनी होती है। कोर्स को आसान बनाने के लिए इसे सेमेस्टर सिस्टम में लागू किया गया है। इस दौरान स्टूडेंट को कोर्स पढ़ाने के अलावा थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी करवाया जाता है। कोर्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कुछ सिखाया जाता है। जिससे कि छात्रों को करियर की शुरूआत में किसी तरह की दिक्कत न आए।

## योग्यता

- इसके लिए स्टूडेंट का 12वीं पास होना जरूरी है।
- स्टूडेंट ने साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई की हो।
- पीसीएम के मुख्य सब्जेक्टों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- स्टूडेंट के कम से कम 50 प्रतिशत नंबर होने चाहिए।
- वहीं रिजर्व कैटेगिरी के पास 45 प्रतिशत अंक योग्यता
- स्टूडेंट की उम्र 17 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

## एडमिशन

बीटेक में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स करने के लिए स्टूडेंट को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से सबसे अहम प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस और जेईई एडवांस है। वहीं अन्य संस्थान और राज्य अपने स्तर पर भी कई तरह की प्रवेश परीक्षा करवाते हैं। इन परीक्षाओं में पास होने के बाद ही स्टूडेंट इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन एग्जाम के बाद सीट अलॉटमेंट के लिए काउंसलिंग और कुछ जगह इंटरव्यू का भी प्रोसेस होता है।

## अन्य ऑप्शन

इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आगे की भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं यह कोर्स पूरा होने के बाद आप एक पेशेवर के तौर पर अच्छी सैलरी पर भी काम कर सकते हैं। बता दें कि इस कोर्स के बाद छात्र सीनियर डेवलपर, स्पलाई चेन एग्जिक्यूटिव और मैनेजर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंप्यूटर इंजीनियर और रिजनल मैनेजर आदि के पदों पर काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में इस फील्ड में आप सालाना 2 से 7 लाख रुपए महीने कमा सकते है। वहीं एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।

### कॉलेज और फीस

- करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान तमिलनाडु - 7.24 लाख
- एसआरएम प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश - 2.02 लाख
- अमृता विश्व विद्यापीठम अमृतपुरी परिसर, केरल - 4 लाख
- रेवा विश्वविद्यालय, कर्नाटक - 9 लाख

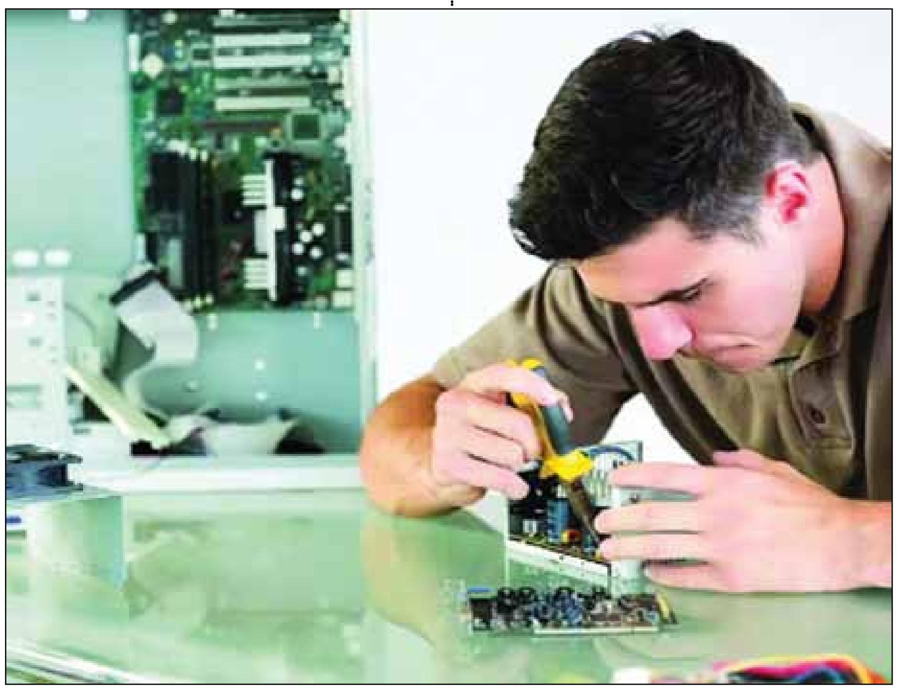

# मास कम्यूनिकेशन के जरिए पूरा किया जा सकता है मीडिया में काम करने का सपना

**कई छात्र टीवी, रेडियो और प्रिंट मीडिया में काम करने का सपना देखते हैं। इस सपने को मास कम्यूनिकेशन कोर्स के जरिए पूरा किया जा सकता है। इस कोर्स को आप लखनऊ के इन कॉलेजेस से कर सकते हैं।**

कई लोगों का मीडिया, टीवी और रेडियो में काम करने का सपना होता है। इस तरह की रुचि रखने वाले छात्र अक्सर मीडिया इंडस्ट्री में जुड़ने की इच्छा रखते हैं। जिसके चलते लाखों स्टूडेंट तेजी से बढ़ती मीडिया इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लेते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। 12वीं और अंडर ग्रेजुएट डिग्री करने वाले छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं। साथ ही आपको लखनऊ के बेस्ट कॉलेज के बारे में भी बताएंगे, जहां से आप इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

## प्रोफेशनल डिग्री कोर्स

मास कम्यूनिकेशन का कोर्स प्रोफेशनल डिग्री है। इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट को किसी विशेष स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी नहीं होती है। आर्ट, साइंस और कॉमर्स से पढ़े छात्र भी मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप कई विभिन्न पदों पर काम करने के योग्य हो जाते हैं। एक जर्नलिस्ट के तौर पर काम कर अपने सपने को पूरा कर सकते हैं।

## बैचलर कोर्स की योग्यता

मास कम्यूनिकेशन में बैचलर कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों का 12वीं पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकता है। इस कोर्स में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों तरह से एडमिशन लिया जाता है। मेरिट के आधार पर एडमिशन के लिए स्टूडेंट को 12वीं में अच्छे नंबर लाने होते हैं। वहीं प्रवेश परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स को एग्जाम में अच्छा स्कोर करना होता है। हर संस्थान में एडमिशन के लिए अलग-अलग योग्यता होती है।

## मास्टर कोर्स में प्रवेश की योग्यता

अगर आप पहले से ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं तो मास मीडिया का कोर्स करने के लिए आप मास कम्यूनिकेशन में मास्टर की डिग्री कर सकते हैं। मास्टर्स कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों को बैचलर में न्यूनतम 50% नंबर लाने होते हैं। इसके लिए आपको प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

# सप्लाई चैन मैनेजमेंट में बनाना है कॅरियर तो....

**सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है।**

आज के समय में कॅरियर की अनेक राहें हमारे पास मौजूद हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। लेकिन पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण यंगस्टर्स इन करियर ऑप्शन को चुनते ही नहीं है। ऐसा ही एक क्षेत्र है सप्लाई चैन मैनेजमेंट। किसी भी कंपनी को सक्सेसफुली चलाने के लिए सप्लाई चैन मैनेजमेंट की बेहद आवश्यकता होती है। यही कारण है कि इस पद पर नियुक्त लोगों को काफी अच्छी सैलरी मिलती है और उनके करियर की ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है। यह तैयार हुए प्रोडक्ट को शिपिंग के लास्ट स्टेज तक को स्मूद बनाने का मैनेजमेंट है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक प्रोडक्ट को पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक आसान बनाना है। जब इसे सही तरीके से किया जाता है, तो इससे मार्केट में बिजनेस को बढ़त हासिल करने में भी मदद मिलती है।

## सप्लाई चेन मैनेजर क्या करता है?

अब सवाल यह उठता है कि एक सप्लाई चेन मैनेजर का क्या काम होता है। दरअसल, एक सप्लाई चेन मैनेजर कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक कंपनी की सभी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार होता है। ये वे पेशेवर होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद समय पर पहुंचें और बिना डैमेज कच्चे माल का भंडारण किया जाए। उन्हें तैयार किया जाए और बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक सही समय पर व आसानी से पहुंचाया जाए। सप्लाई चेन में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर वेयरहाउस, पैकेजिंग, डिलीवरी जैसे कई छोटे-छोटे सेक्शन्स शामिल होते हैं। इन सभी को मैनेज करने की जिम्मेदारी सप्लाई चेन मैनेजर के कंधों पर होती है।

## सप्लाई चेन मैनेजमेंट में जॉब के क्या अवसर हैं?

किसी भी प्रोडक्ट को तैयार करने में कई चरण होते हैं और यह सभी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। इसलिए हर कंपनी में सप्लाई चेन मैनेजमेंट को कंप्लीट करने के लिए कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में जॉब ऑप्शन की कमी नहीं है। आप छोटे से लेकर बड़े ब्रांड तक में बतौर लॉजिस्टिक रिसोर्स प्लानर, मेंटेनेंस मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, प्रोडक्शन प्लानर, वेयरहाउस मैनेजर, आदि पदों पर जॉब की तलाश कर सकते हैं। चूंकि, उत्पादन व बिक्री का बाजार कभी बंद नहीं होने वाला है, इसलिए इस क्षेत्र में आपको अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने की कोई आवश्यकता भी नहीं है।

## सप्लाई चेन मैनेजर कितना कमा सकता है?

एक सप्लाई चेन मैनेजर किसी भी कंपनी में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और फिर उसे अपने कस्टमर्स तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका में होता है। एक तरह से उसकी भूमिका के कारण ही कंपनी की ग्रोथ पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए उनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। अपने करियर की शुरुआत में ही आप 40000-50000 रूपए तक आसानी से कमा सकते हैं। कुछ सालों के अनुभव के बाद सैलरी प्रतिमाह लाखों में होती है।

## सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए कोर्स

अगर आप सप्लाई चैन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपको एमबीए इन लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट कोर्स करना चाहिए। इसके अलावा आप किसी अच्छे संस्थान से इससे जुड़ा कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं।

- स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- आईआईएसडब्ल्यूबीएम कोलकाता - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेर एंड बिजनेस मैनेजमेंट इन कोलकाता
- डॉ. डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी (डीवाईपीयूएसएम), नवी मुंबई

# 27 जुलाई को पेरिस ओलिंपिक में भारत के पास पदक जीतने का रहेगा अवसर

पेरिस

पेरिस ओलिंपिक में इस बार भारतीय दल टोक्यो ओलंपिक से भी अधिक पदक जीतने के इरादे से उतरेगा। गत वर्ष हुए एशियाई खेलों में खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से भी उनका और प्रशंसकों का हौंसला बढ़ा हुआ है। सभी को उम्मीद है कि इस इस बार भारत के पदकों की संख्या पहले से अधिक होगी। ओलंपिक में भारत 16 खेलों में 70 पुरुष और 47 महिलाओं सहित कुल 117 खिलाड़ियों को उतार रहा है। ओलिंपिक में सबसे पहले 25 जुलाई को व्यक्तिगत तीरंदाजी राउंड से शुरू होगा जबकि भारत को पदक जीतने का उनका पहला अवसर 27 जुलाई को 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मिलेगा।

**पेरिस ओलिंपिक में भारत का कार्यक्रम इस प्रकार है:-**

तारीख इवेंट समय
25 जुलाई तीरंदाजी (रैंकिंग राउंड) 13:00 से
27 जुलाई बैडमिंटन (ग्रुप स्टेज) 12:50 से
रोइंग 12:30 से
निशानेबाजी 12:30 से
मुक्केबाज (आर 32) 19:00 से
हॉकी (भारत और न्यूजीलैंड) 21:00
टेबल टेनिस 18:30 से
टेनिस (आर1) 15:30 से
28 जुलाई तीरंदाजी (टीम मेडल मैच) 13: 00 से
बैडमिंटन 12:00 से
मुक्केबाज (आर32) 14:46 से
रोइंग 13:06 से
निशानेबाजी (मेडल मैच) 13:06 से
तैराकी14:30 से
टेबल टेनिस (आर 64) 13:30 से
टेनिस (आर1) 15:30 से
29 जुलाई तीरंदाजी (टीम मेडल मैच) 13:00 से
बैडमिंटन 13:40 से
हॉकी (भारत और अर्जेंटीना) 16:15
रोइंग 13:00 से
निशानेबाजी 12:45 से

टेबल टेनिस (आर32) 13:30 से
टेनिस (आर2)
30 जुलाई तैराकी (मेडल मैच) 00:52 से
तीरंदाजी 15:30 से
बैडमिंटन 12:00 से
मुक्केबाजी 14:30 से
घुड़सवारी 14:30 से
हॉकी (भारत और आयरलैंड) 16:45
रोइंग 13:40 से
निशानेबाजी (मेडल मैच) 13:00 से
टेबल टेनिस (आर 32) 13:00 से
टेनिस (आर2) 15:30 से
31 जुलाई तीरंदाजी 15:30 से
बैडमिंटन 12:50 से
मुक्केबाजी (आर16) 15:02 से
घुड़सवारी 13:30 से
रोइंग 13:24 से
निशानेबाजी (मेडल मैच) 13:24 से
टेबल टेनिस (आर 32) 13:30 से
टेनिस (3आर) 15:30 से
1 अगस्त तीरंदाजी 13:00 से
एथलेटिक्स 11 PM से
बैडमिंटन 12:00 से
मुक्केबाजी 14:30 से
गोल्फ 12:30 से
हॉकी (भारत और बेल्जियम) 13:30
रोइंग 13:20 से
नौकायन 15:30 से
निशानेबाजी ( मेडल) मैच) 13:00 से
टेबल टेनिस 13:30 से
टेनिस 15:30 से
2 अगस्त तीरंदाजी 13:00 से
एथलेटिक्स 21:40 से
बैडमिंटन (सेमीफाइनल) 12:00 से
मुक्केबाजी 19:00 से
गोल्फ 12:30 से
हॉकी (भारत और ऑस्ट्रेलिया) 16:45 से
जूडो (मैडल मैच) 13:30 से
रोइंग (मैडल मैच) 13:00 से
नौकायन 15:30 से
शूटिंग 12:30 से
टेबल टेनिस (सेमीफाइनल) 13:30 से
टेनिस (पदक मैच) 15:30 से
3 अगस्त तीरंदाजी (मेडल मैच) 13:00 से
एथलेटिक्स (शॉट पुट फाइनल) 23:05
बैडमिंटन (पदक मैच) 12:00 से
मुक्केबाजी 19:32 से
गोल्फ 12:30 से
रोइंग (पदक मैच) 13:12 से
नौकायन 15:30 से
निशानेबाजी (पदक मैच) 13:00 से
टेबल टेनिस (पदक मैच) 17:00 से
टेनिस (पदक मैच) टीबीडी
4 अगस्त तीरंदाजी (मैडल मैच) 13:00 से
एथलेटिक्स 13:35 से
बैडमिंटन (मैडल मैच) 12:00 से
मुक्केबाजी (क्वार्टर और सेफा) 14:30 से
घुड़सवारी (फाइनल) 13:30
गोल्फ (मैडल मैच) 12:30
हॉकी (क्वार्टर फाइनल) 13:30 से
नौकायन 15:30 से
निशानेबाजी (फाइनल) 12:30 से
टेबल टेनिस (मैडल मैच) 17:00 से
5 अगस्त एथलेटिक्स (5 के फाइनल) 22:34 से
बैडमिंटन (पदक मैच) 13:15 से
नौकायन 15:30 से
निशानेबाजी (फाइनल) 13:00 से
टेबल टेनिस 13:30 से
कुश्ती 18:30 से
6 अगस्त एथलेटिक्स (लंबी कूद फाइनल) 13:50 से
मुक्केबाजी (सेमीफाइनल) 01:00 से
हॉकी (सेमीफाइनल) 17:30 से
नौकायन (मैडल मैच) 15:30 से
टेबल टेनिस 16:00 से
कुश्ती (मैडल मैच) 14:30 से
7 अगस्त एथलेटिक्स (3के स्टीपलचेज़ फाइनल) 11:00 से
मुक्केबाजी 01:00 से
गोल्फ 12:30
नौकायन 11:00 से
टेबल टेनिस 13:30 से
भारोत्तोलन (49 किग्रा फाइनल) 23:00
कुश्ती (पदक मैच) 14:30 से
8 अगस्त एथलेटिक्स (भाला फेंक फाइनल) 13:35 से
गोल्फ 12:30
हॉकी (पदक मैच) 17:30 से
टेबल टेनिस 13:30 से
कुश्ती 14:30 से
9 अगस्त मुक्केबाजी (फाइनल) 01:32 से
एथलेटिक्स (मैडल मैच) 14:10 से
गोल्फ 12:30
हॉकी (पदक मैच) 14:00 से
कुश्ती (पदक मैच) 14:30 से
10 अगस्त मुक्केबाजी (मैडल मैच) 01:00 से
एथलेटिक्स (पदक मैच) 22:20 से
गोल्फ (पदक मैच) 12:30 से
टेबल टेनिस (पदक मैच) 13:30 से
कुश्ती 15:00 से
11 अगस्त मुक्केबाजी (पदक मैच) 01:00 से ।

# लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर आरसीबी जा सकते हैं राहुल

**मुम्बई**। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब

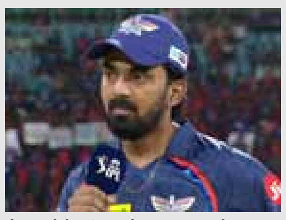

से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

# शाकिब का भारत दौरे पर आना संदिग्ध

**ढ़ाका**। बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे में खेलना तय नहीं है क्योंकि उनना कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बांग्लादेश को 19 सितंबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। वहीं शाकिब को 5 जुलाई से अमेरिका में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीज़न दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स की ओर से खेलना है। शाकिब ने कहा,मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूर्नामेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे तय करने दीजिये कि इन दोनों टूर्नामेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है। इसलिए में ज्यादा आगे की नहीं सोच रहा। बढ़ती उम्र को देखते हुए अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं।

# गंभीर , अगरकर ने मीडिया से बात कर दिये सवालों के जवाब

**नई दिल्ली**। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयनसमिति के प्रमख अजीत अगरकर ने मीडिया से बात की। गंभीर कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आये। इस दौरान उनसे कई कठिन सवालों का जवाब मांगा गया जैसे हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को क्यों टी20 कप्तानी दी गयी, रुतुराज गायकवाड़ संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह क्यों नहीं मिली। इसके अलावा भी कई अन्य सवाल दागे गये जिनका गंभीर ओर अगरकर ने जवाब दिया। इस दौरान कोच गंभीर ने खिलाड़ियों से संबंध को लेकर कहा कि हमारा

सभी से एक बराबर रिश्ता है। साथ ही कहा कि ये प्रदर्शन के आधार पर तय होता है न कि निजी संबंधों के आधार पर। साथ ही कहा कि हमारा लक्ष्य टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिये जाने को लेकर कहा कि उनपर काफी बोझ है जिसको कम करना जरुरी है क्योंकि वह तेज गेंदबाज हैं। इसलिए उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिय गया है। चयनसमिति के प्रमुख अगरकर ने हार्दिक को लेकर पूछे गये सवाल को लेकर कहा कि उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि वह बार बार चोटिल होते रहते हैं। वहीं हम चाहते थे कि कप्तान फिट रहे जिससे वह हर मैच खेल सके। यही कारण है कि सूर्यकुमार को कप्तानी दी गयी। इसके अलावा वह टी20 का नंबर एक बल्लेबाज भी है। सभी चाहते हैं कि कप्तान हर मैच में उपलब्ध रहे। वहीं रुतुराज सहित कुछ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर अगरकर ने कहा कि हर किसी को टीम में नहीं ले सकते हैं। 15 खिलाड़ियों की टीम को हम संतुलित करना चाहते थे। ऐसा नहीं है कि जो बाहर है उन्हें फिर अवसर नहीं मिलेगा।

## व्यापार

# जल्द ही नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी

**नई दिल्ली**। स्मार्टफोन बनाने वाली नथिंग कंपनी जल्द नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी में है। कंपनी अपने इस फोन को इसी महीने 31 जुलाई को पेश करेगी। ये इस सीरीज़ का दूसका फोन है क्योंकि इससे पहले इस साल नथिंग फोन 2ए लॉन्च किया जा चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले प्लस वेरिएंट में मौजूदा मॉडल के मुकाबले बेहतर फीचर्स दिए जाएंगे। नथिंग के को फाउंडर अकीस इवेंजेलिडिस ने हाल ही फोन के कुछ फीचर्स को टीज किया है, जिससे पता चला है कि ये दमदार प्रोसेसर के साथ आता है और इसमें पहले से अलग डिज़ाइन और रूप देखने को मिल सकता है। इसका मतलब साफ है कि नथिंग फोन 2ए प्लस मौजूदा फोन 2ए मॉडल में मौजूद मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो के मुकाबले ज्यादा पावरफुल चिपसेट दिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि इसका डिज़ाइन मौजूदा फोन जैसा ही

होगा। फिलहाल फोन की कीमत और बाकी फीचर्स को लेकर खुलासा नहीं हुआ है लेकिन पिछले मॉडल को देखते हुए आने वाले मोबाइल की कई खासियत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। इस साल लॉन्च हुए नथिंग फोन 2ए के फीचर पर नज़र डालें तो इसमें 6.7-इंच का 120एचझेड फुल एचडी+ (1,080×2,412 पिक्सल) अमोलेड स्क्रीन के साथ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 की प्रोटेक्शन दी जाती है। ये ऑक्टा-कोर 4 एनएम मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो एसओसी से लैस है और एंड्रॉयड 14-पर बेस्ड नथिंग ओएस 2.5 के साथ काम करता है। कैमरे के तौर पर इस फोन के रियर पर दो 50-मेगापिक्सल सेंसर और फ्रंट में 32-मेगापिक्सल सेंसर है। पावर के लिए फोन में 45वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है। कीमत की बात करें तो नथिंग फोन 2ए को भारत में मार्च में लॉन्च किया गया था और बाद में मई में स्पेशल एडिशन भी पेश किया गया था। इसके बेस 8 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 23,999 रुपये है, जबकि 8 जीबी + 256 जीबी और 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट की कीमत 25,999 रुपये और 27,999 रुपये है। इस हिसाब से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि फोन को मिड-रेंज सेगमेंट में ही लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि नथिंग फोन को लेकर काफी चर्चा रहती है। इसका यूनीक डिजाइन और लुक लोगों को काफी पसंद आता है।

# सोना 73 हजार के पार, चांदी में भी गिरावट

**नई दिल्ली**। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 171 रुपये की तेजी के साथ 73,161 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 179 रुपये की तेजी के साथ 73,169 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 89,641 रुपये पर खुला। इस समय यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 89,580 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2403.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,399.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,409.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 29.29 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 29.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

# फिर से रिटेल सेक्टर में धूम मचा सकता है बियाणी परिवार

**नई दिल्ली**। किशोर बियाणी करीब एक दशक तक भारत के रिटेल सेक्टर में छाए हुए थे। बियाणी रिटेल किंग के तौर पर जाने जाते थे। लेकिन फ्यूचर रिटेल को उन्होंने फर्श से अर्श पर पहुंचाया था, वह आज मुश्किलों में फंसी हैं। लेकिन बियाणी परिवार फिर से रिटेल सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। किशोर बियाणी की बेटियां अवनी और अशनि बियाणी और भतीजा विवेक बियाणी ने थिएटर स्टाइल मल्टी-ब्रांड रिटेल फॉर्मेट ब्रॉडवे को को-प्रमोट करने के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, एनारॉक और सलारपुरिया ग्रुप के साथ समझौता किया है। ब्रॉडवे के फाउंडर विवेक

बियाणी ने कहा कि ब्रॉडवे को चार लोगों ने मिलकर को-प्रमोट किया है। इसमें मैं और थिंक9 एक यूनिट हैं। साथ ही एक्टर-एंटरप्रेन्योर राणा दग्गुबाती, सलारपुरिया ग्रुप के अपूर्व सलारपुरिया और एनारॉक के अनुज केजरीवाल शामिल हैं। विवेक ने कहा कि सभी प्रमोटर्स ने इस फाइनेंशियल ईयर के लिए अच्छी-खासी राशि निवेश की है। जैसे-जैसे स्टोर्स की संख्या बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे पूंजी जुटाने की भी कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रॉडवे का पहला स्टोर अगस्त के अंत में दिल्ली में वसंत कुंज स्थित एम्बिएंसी मॉल में खोला जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में हैदराबाद और फरवरी 2025 में मुंबई में स्टोर खोले जाएंगे। करीब 25,000 से 35,000 वर्ग फुट में फैले ब्रॉडवे स्टोर में 120 से 150 ब्रांड्स होंगे। बियाणी सिस्टर्स द्वारा लॉन्च फूड स्टोर एंड डाइनिंग कैफे भी ब्रॉडवे का हिस्सा है। साथ ही इसमें सैलून, हेल्थ और वेलनेस कंसल्टेशन रूम, सैंपलिंग स्टेशन और स्टूडियो भी शामिल होंगे।

# रुपया पांच पैसे बढ़कर 83.65 डॉलर

**मुंबई**। रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर सोमवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट पर रोक लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.66 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 83.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.29 पर रहा।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

## सेंसेक्स 103 , निफ्टी 22 अंक नीचे आया

**मुम्बई**। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बजट से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली रही। इससे इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। वहीं दुनिया भर के बाजारों के मिले कमजोर संकेतों से भी निवेशकों से सतर्कता बरती। दिन भर के गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.57 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 80,502.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 21.65 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी नीचे आकर 24,509.25 पर बंद हुआ। आज के

कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आकर बंद हुए। कोटक बैंक, रिलायंस, आईटीसी, एसबीआई और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन और अदाणी पोर्ट्स के शेयर नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और एंडएमएम सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, एलएंडटी, मारुति, इंफोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई निचले स्तर पर बंद हुए, जबकि हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। दोपहर के सत्र में यूरोपीय बाजार बढ़त पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,506.12 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

## कल्कि 2898 एडी ने रचा इतिहास, 600 करोड़ के हुई पार कमाई, अब निशाने पर है जवान

प्रभास-दीपिका पादुकोण की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी को रिलीज हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और ये अब भी सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. चलिए यहां जानते हैं 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 23वें दिन यानी चौथे फ्राइडे कितना कलेक्शन किया है? 'कल्कि 2898 एडी ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. साल की सबसे बड़ी ओपनर होने के साथ 2024 में सबसे ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाली ये फिल्म कई मूवीज को धूल चटा चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि रिलीज के तीन हफ्ते हो जाने के बाद भी 'कल्कि 2898 एडी का क्रेज दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रहा है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 'कल्कि 2898 एडी ने 95.3 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ कमाए. दूसरे हफ्ते का कारोबार 128.5 करोड़ रहा और तीसरे हफ्ते में 'कल्कि 2898 एडी ने 55.85 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के चौथे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है.इसी के साथ फिल्म के चौथे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के चौथे फ्राइडे को 2.65 करोड़ की कमाई की है. इसके बाद फिल्म का 23 दिनों का कुल कलेक्शन 602.10 करोड़ रुपये हो गया है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई में बेशक भारी गिरावट आ है लेकिन रिलीज के चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही इसने फिर इतिहास रच दिया है. फिल्म 600 करोड़ के पार हो गई है. अब ये शाहरुख खान की जवान के इंडियन बॉक्स ऑफिस लाइफ टाइम कलेक्शन के रिकॉर्ड को तोड़ने से 43.87 करोड़ रुपये ही पीछे रह गई है. अब देखने वाली बात होगी कि घटती कमाई के साथ क्या 'कल्कि 2898 एडी जवान को भी धूल चटा पाती है या नहीं. 'कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है. 600 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म में प्रभास के अलावा दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है.

## पहली बार तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां की भूमिका निभा रहीं हैं अपर्णा दीक्षित

एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पहली बार पर्दे पर टीवी शो तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इसी तरह की परिपक्व प्रेम कहानी की तलाश में थीं। अपर्णा ने कहा कि वह इस शो में पहले निभाई गई भूमिका से काफी अलग नजर आएंगी। प्यार की लुका छुपी और वो तो है अलबेला जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मैं पहली बार स्क्रीन पर मां का किरदार निभा रही हूं। यह एक ऐसा शो है, जिसकी शुरुआत से ही मैं इसमें मां की भूमिका निभा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि इसकी कहानी आशावादी और सम्मोहक है। उन्होंने कहा, मैंने खुद से कहा कि मैं यह शो करूंगी, क्योंकि इसमें एक अलग तरह का फ्लेवर है। अब तक मैंने जिन टीवी शो में काम किया है, उनमें से ज्यादातर प्रेम कहानियां थीं। यह भी एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह एक बहुत ही गहरी और परिपक्व कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बुरा समय और भाग्य आपस में जुड़ते हैं। आगे कहा, बुरे समय में साथी अक्सर हार मान लेते हैं लेकिन इस कहानी में खूबसूरती से दिखाया गया है कि कैसे एक पति अपनी पत्नी का ऐसे समय पर समर्थन करना जारी रखता है। वह उसके साथ खड़ा रहता है, उसे ठीक होने में मदद करता है और उसे अपनी बेटी से फिर से मिलाता है। यह एक ऐसे पति की कहानी है जो अपने संघर्षों के बावजूद अपनी पत्नी का उसके सबसे बुरे समय में साथ देता है। चरित्र को निभाते समय सामने आई चुनौतियों के बारे में अपर्णा ने कहा, मैं कुछ अलग करना चाहती थी और यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है। यह जटिल भावनाओं के साथ मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है। मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करेंगे क्योंकि यह भावनात्मक और संवेदनशील दोनों तरह का शो है। उन्होंने कहा, एक मां और उसके बच्चे के बीच का रिश्ता बेहद संवेदनशील और मार्मिक होता है। एक भावुक व्यक्ति के रूप में इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इस भूमिका को लेकर बहुत खुश हूं। मैंने पहले कभी टीवी पर एक मां की भूमिका नहीं निभाई। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले भी कई तरह की प्रेम कहानियों में काम किया है। लेकिन यह भूमिका मेरे लिए बहुत नई और चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक मां और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है। तुलसी हमारी बड़ी सयानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

## बैड न्यूज बनी विक्की कौशल की बिगेस्ट ओपनिंग फिल्म

### बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन की छप्पर फाड़ कमाई

विक्की कौशल, एमी वर्क और तृप्ति डिमरी स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज बीती 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया ओपनिंग ली है. तकरीबन 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ढाई हजार स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है. फिल्म बैड न्यूज अपने गानों से पहले ही दर्शकों के बीच छा गई है. वहीं, बैड विक्की कौशल की बिगेस्ट ओपनर फिल्म बनने जा रही है. आइए जानते हैं फिल्म बैड न्यूज ने पहले दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है. बैड न्यूज को लेकर विक्की कौशल के फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है. फिल्म बैड न्यूज में एनिमल स्टार तृप्ति डिमरी लीड रोल में ऐसे में फिल्म को प्यार मिलना जरूरी हो गया है. बता दें, हिंदी बेल्ट में सिनेमाघरों में बैड न्यूज के लिए 22 फीसदी से ज्यादा ऑक्यूपेंसी रेट दर्ज किया गया है. यह तब है जब बीती 12 जुलाई को अक्षय कुमार की सरफिरा और साउथ सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 रिलीज हुई है. फिल्म के मेकर्स ने बैड न्यूज की कमाई का ऑफिशियल आंकड़ा जारी कर दिया है. फिल्म बैड न्यूज ने ओपनिंग डे पर 8.62 करोड़ का कलेक्शन किया है. वहीं, बैड न्यूज के कलेक्शन से विक्की कौशल ने अपनी पिछली फिल्मों की ओपनिंग डे के कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. फिल्म बैड न्यूज विक्की कौशल के अब तक के फिल्मी करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म साबित हुई है. नीचे देखें विक्की कौशल की बिगेस्ट ओपनिंग लेने वाली फिल्मों की लिस्ट. बता दें, करण जौहर, अपूर्वा मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा ने फिल्म बैड न्यूज को प्रोड्यूस किया है.

## बैड न्यूज के आते ही सरफिरा हुई पस्त, 8वें दिन लाखों में सिमट गई अक्षय कुमार की फिल्म की कमाई

अक्षय कुमार स्टारर सरफिरा साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक थी. फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट बेहद निराशाजनक है. चलिए यहां जानते हैं सरफिरा ने रिलीज के 8वें दिन कितना कलेक्शन किया है? पिछले काफी समय से बॉक्स ऑफिस पर असफलता का मुंह देख रहे खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की सरफिरा ने भी बेहद निराश किया है. फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें थीं हालांकि सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद ये दर्शकों की कसौट पर खरी नहीं उतर पाई और इसी के साथ फिल्म कमाई के मामले में भी पिछड़ गई. सरफिरा को रिलीज हुए महज आठ दिन हुए हैं और इसका बॉक्स ऑफिस से पत्ता साफ होता हुआ नजर आ रहा है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने रिलीज के पहले दिन 2.5 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन सरफिरा ने 4.25 करोड़ की कमाई की थी. तीसरे दिन 5.25 करोड़, चौथे दिन 1.45 करोड़, पांचवें दिन 1.95 करोड़, छठे दिन 2.15 करोड़ और सातवें दिन 1.2 करोड़ की कमाई की. इसी के बाद सरफिरा ने पहले हफ्ते में 18.75 करोड़ का कलेक्शन किया वहीं अब ये फिल्म दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है और इसके दूसरे शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक सरफिरा ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे महज 40 लाख रुपये कमाए. इसी के साथ सरफिरा का आठ दिनों का कुल कलेक्शन अब 19.15 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं इस फिल्म को पिछले तीन हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी से भी कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा था. जिसके चलतेअक्षय कुमार स्टारर फिल्म चंद करोड़ ही कमा पा रही थी. वहीं इस शुक्रवार सिनेमाघरों में कॉमेडी से भरपूर विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज ने दस्तक दी है और इस फिल्म ने आते ही सरफिरा को धो दिया है. बैड न्यूज के रिलीज होते ही सरफिरा की कमाई लाखों में सिमट गई है. ऐसे में महज आठ दिनों में ही सरफिरा का बॉक्स ऑफिस पर से पत्ता साफ होता नजर आ रहा है. ओरिजनल फिल्म में सूर्या और अपर्णा बालमुरली ने मुख्य भूमिका निभाई थी वहीं सरफिरामें अक्षय कुमार, राधिका मदान और परेश रावल जैसे कलाकारों ने अहम रोल निभाए हैं.

## निकिता दत्ता ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर बरपाया कहर

### सिंपल सूट पहन सादगी भरे अंदाज से लूटी महफिल

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा देता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनकी कातिल अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं और साथ ही उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस निकिता दत्ता बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्होंने फिल्म कबीर सिंह से लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बनाई है। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनके सादगी भरे अंदाज ने फैंस के बीच महफिल लूट ली है। निकिता दत्ता ने अपनी लेटेस्ट फोटोज को क्लिक करवाते हुए येलो कलर का शरारा सूट पहना हुआ है, जोकि उन पर काफी ज्यादा जंच रहा है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर बवाल मचा देता है। खुले बाल को स्टाइल कर के, कानों में इयररिंग्स पहन कर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों भले ही फिल्मों में नहीं दिखाई दे रही हो लेकिन आए दिन अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

## नाग अश्विन ने प्रिंस और नरेश अगस्त्य की काली का टीज़र जारी किया

युवा नायक प्रिंस और नरेश अगस्त्य अभिनीत फिल्म काली का टीज़र ब्लॉकबस्टर निर्देशक नाग अश्विन द्वारा जारी किया गया है। प्रसिद्ध कहानीकार के. राघवेंद्र रेड्डी के मार्गदर्शन में रुद्र क्रिएशन द्वारा निर्मित और शिवा सेशु द्वारा निर्देशित काली एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के दौर से गुजर रही है और जल्द ही एक भव्य नाट्य रिलीज़ के लिए तैयार है। नाग अश्विन ने टीज़र की प्रशंसा करते हुए इसे दिलचस्प और प्रभावशाली बताया और निर्देशक शिवा सेशु द्वारा तेलुगु दर्शकों के लिए एक नई अवधारणा पेश करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने काली की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ दीं। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता के. राघवेंद्र रेड्डी ने टीजर रिलीज करने पर अपनी खुशी जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि काली एक दिलचस्प मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जो काली के चरित्र पर केंद्रित है। उन्होंने

बताया कि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है और जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म लाने का वादा किया। निर्माता लीला गौतम वर्मा ने नाग अश्विन को उनके व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टीजर लॉन्च करने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया। लेखक और निर्देशक शिवा सेशु ने काली को पौराणिक कथाओं और मनोवैज्ञानिक थ्रिलर शैलियों के तत्वों को मिलाकर एक नई कहानी वाली फिल्म बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि काली दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी और उन्होंने एक भव्य नाट्य विमोचन की योजना की घोषणा की। काली के टीजर लॉन्च कार्यक्रम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर राधाकृष्ण तथिनेनी, धरणी कुमार टीआर, कार्यकारी निर्माता फणींद्र और अन्य लोग शामिल हुए। काली के टीजर में, शिवराम (प्रिंस द्वारा अभिनीत) स्वार्थी दुनिया से मोहभंग के कारण आत्महत्या के बारे में सोचता है। हालांकि, जैसे ही वह खुद को फांसी लगाने की तैयारी करता है, एक अजनबी (नरेश अगस्त्य) उसके दरवाजे पर आता है और शिवराम के जीवन के बारे में अंतरंग विवरण बताता है। शिवराम इस बात से हैरान रह जाता है कि अजनबी उसके बारे में इतना कुछ कैसे जानता है, खासकर उन घटनाओं के बारे में जो केवल उसे और उसकी पत्नी को ही पता हैं। टीज़र दिलचस्प सवालों के साथ समाप्त होता है: शिवराम, जो पहले खुशहाल शादीशुदा था, ने आत्महत्या के बारे में क्यों सोचा?

## सूर्या की फिल्म कंगुवा के पहले एकल फायर सॉन्ग की झलक आई सामने, 23 जुलाई को रिलीज होगा गाना

सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में सूर्या के साथ बॉबी देओल और दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। वहीं, अब इसके पहले गाने फायर सॉन्ग की रिलीज पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माता ने इसे बेहद खास दिन पर रिलीज करने की अपनी योजना का खुलासा कर दिया है। निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह घोषणा की कि तमिल काल के एक्शन तमाशा कंगुवा का पहला एकल 23 जुलाई, 2024 को रिलीज होगा। इस गाने का शीर्षक फायर सॉन्ग है। गाने का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा है, अपनी आत्माओं को प्रज्वलित करें और एक शानदार उत्सव के लिए खुद को तैयार करें। कंगुवा का फायर सॉन्ग 23 जुलाई को रिलीज होने के लिए तैयार है। जारी किए गए पोस्टर में सूर्या को कंगुवा के रूप में दिखाया गया है। वह एक जलते हुए प्रवेश द्वार के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। नए अपडेट ने उन प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है जो फिल्म पर नए अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। निर्माताओं ने फायर सॉन्ग को रिलीज करने के लिए 23 जुलाई का दिन चुना है। जानकारी

हो कि उसी दिन सूर्या का जन्मदिन भी होता है। कंगुवा पहले अप्रैल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव के कारण इसकी रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया। निर्माता अब 10 अक्तूबर को 3डी और आईमैक्स फॉर्मेट में इसकी भव्य रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। कंगुवा का निर्देशन सिरुथाई शिवा ने किया है। इस फिल्म में सूर्या कंगुवा उर्फ कंगा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं बॉबी देओल फिल्म में उधिरन के रूप में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 भाषाओं में रिलीज होने वाली है। कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट में तैयार किया गया है। वहीं, कंगुवा की रिलीज से पहले ही ज्ञानवेल राजा ने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि कंगुवा का सीक्वल बनेगा और इसका निर्माण जल्द ही शुरू होगा। उनके अनुसार, कंगुवा के दूसरे भाग का प्रोडक्शन साल 2026 में शुरू होगा। फिलहाल, कंगुवा पार्ट 2 के बारे में बहुत कम जानकारी है। प्रोजेक्ट को लीक से बचाने के लिए निर्माता अतिरिक्त सतर्क रहे हैं।